# दिगन्तर

न्याय और समता के लिए शिक्षा

## वार्षिक रपट 2014–15

**दिगन्तर**
वार्षिक प्रतिवेदन रिपोर्ट 2014-15

**रपट लेखन**
विश्वंभर

**लेआउट एवं कवर**
ख्यालीराम स्वामी


**दिगन्तर**
**शिक्षा एवं खेलकूद समिति**
टोडी रमजानीपुरा, खो नागोरियान रोड,
जगतपुरा, जयपुर-302017 राजस्थान
फोनः 0141-2750230, 2750310
फैक्सः 0141-2751268

वेबसाइटः www.digantar.org

# अनुक्रम


| क्रम | विषयसूची/गतिविधियां | पृष्ठ |
|---|---|---|
| 1. | पृष्ठभूमि | 05 |
| | 1.1 दिगन्तर संस्था के उद्देश्य | 05 |
| 2. | दिगन्तर विद्यालय | 07 |
| | 2.1 दिगन्तर विद्यालय की विशेषताएं | 08 |
| | 2.2 दिगन्तर विद्यालय की मुख्य गतिविधियां | 08 |
| | 2.3 अन्य संस्थाओं के लिए प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं | 11 |
| | 2.4 अशोका चेन्ज मेकर स्कूल में दिगन्तर विद्यालय का चयन | 13 |
| | 2.5 अन्य | 14 |
| 3. | शिक्षक संबलन कार्यक्रम | 15 |
| | 3.1 बड़े समूह की बैठक | 16 |
| | 3.2 विश्लेषण के मापदण्ड | 17 |
| | 3.3 स्कूल विजिट | 18 |
| | 3.4 चुनौतियां/सीमाएं | 18 |
| 4. | शिक्षा विमर्श | 20 |
| 5. | अकादमिक संदर्भ इकाई (तरू) | 23 |
| | 5.1 तरू विजन | 23 |
| | 5.2 तरू के स्वतंत्र कार्य | 25 |
| | 5.3 अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के साथ कार्य | 27 |
| 6. | रिसोर्स सपोर्ट यूनिट | 28 |
| 7. | परिशिष्ट (वित्तीय अंकेक्षण रिपोर्ट) | 30 |

# पृष्ठभूमि

दिगन्तर (पूरा नाम 'दिगन्तर शिक्षा एवं खेलकूद समिति) एक स्वयंसेवी संगठन है। दिगन्तर की शुरुआत 1978 में एक छोटे स्कूल से हुई। करीब 10 साल तक वैकल्पिक सोच के साथ स्कूल संचालन के अनुभवों से टीम को आरंभिक शिक्षा के सैद्धान्तिक और व्यवहारिक पहलुओं को समझने का मौका मिला। इस दरम्यान आरंभिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अन्य समूहों/संगठनों एवं व्यक्तिओं का ध्यान इस स्कूल की ओर आकर्षित हुआ। स्कूल के अनुभवों और आरंभिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अन्य समूहों और व्यक्तिओं के साथ अन्तःक्रिया ने शिक्षा के प्रति दिगन्तर के नजरिए को अधिक स्पष्ट और व्यापक बनाने में मदद की। दिगन्तर के साथ जुड़ने वाले समूह ने दिगन्तर विद्यालय के संचालन के अनुभवों से यह महसूस किया कि वंचित समूह के ग्रामीण बच्चों के लिए भी बेहतर गुणवत्ता की शिक्षा की जरूरत है। दिगन्तर विद्यालय के कार्य क्षेत्र में फैलाव की संभावनाओं के चलते एक सोसाइटी बनाकर 'दिगन्तर शिक्षा एवं खेलकूद समिति' का 1978 में विधिवत पंजीकरण करवाया गया। दिगन्तर 'रजिस्ट्रेशन ऑफ सोसाइटी एक्ट, राजस्थान, 1958' के तहत पंजीकृत है।

*दिगन्तर मुख्यतः आरंभिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है। दिगन्तर का मानना है कि शिक्षा बच्चे के जीवन से जुड़ी है और शिक्षा के माध्यम से बच्चों की बौद्धिक क्षमताओं को अधिकतम स्तर तक विकसित किया जा सकता है।*

*शिक्षा बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने, अपने निर्णय लेने और अपने निर्णयों के अनुरूप जीवन में कर्म करने के मौके प्रदान करती है।*

### दिगन्तर संस्था के उद्देश्यः

- आरंभिक शिक्षा के समस्त आयामों पर शोध करना।
- बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए स्कूल स्थापित करना और संचालित करना।
- समान लक्ष्यों के लिए काम कर रही अन्य संस्थाओं की मदद करना।
- सामान्य रूप से समाज की बेहतरी के लिए काम करना।

दिगन्तर मुख्यतः आरंभिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है। दिगन्तर का मानना है कि शिक्षा बच्चे के जीवन से जुड़ी है और शिक्षा के माध्यम से बच्चों की बौद्धिक क्षमताओं को अधिकतम स्तर तक विकसित किया जा सकता है। शिक्षा बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने, अपने निर्णय लेने और अपने

निर्णयों के अनुरूप जीवन में कर्म करने के मौके प्रदान करती है। दूसरे शब्दों में, शिक्षा का लक्ष्य बच्चों को स्वायत्त बनाना, बुद्धि का विकास करना और दूसरों के प्रति संवेदनशील बनाना है।

दिगन्तर मानता है कि समाज को समानता और न्याय के सिद्धान्त पर आधारित होना चाहिए, किसी भी तरह के उत्पीड़न और शोषण से मुक्त होना चाहिए, समाज को बाजार की ताकतों, लालच और सत्ता की भूख के बजाय विवेक और नैतिक सोच-विचार से निर्देशित होना चाहिए, समाज में गला काट प्रतिस्पर्द्धा के स्थान पर देखभाल और करुणा का स्थान होना चाहिए, समाज को खुला, लोकतांत्रिक होना चाहिए और सभी को समान अवसर मिलने चाहिएं, समाज में किसी के साथ लिंग, जाति, धर्म, नस्ल, भाषा या ऐसे ही किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

*दिगन्तर मानता है कि समाज को समानता और न्याय के सिद्धान्त पर आधारित होना चाहिए, किसी भी तरह के उत्पीड़न और शोषण से मुक्त होना चाहिए।*

दिगन्तर का मानना है कि आरंभिक शिक्षा का लक्ष्य शिक्षार्थियों को बौद्धिक रूप से स्वायत्ता और संवेदनशील बनाना तथा दूसरों से सरोकार रखने वाले नागरिक के रूप में विकसित करना है। इसलिए दिगन्तर आरंभिक शिक्षा के लक्ष्यों को निम्न प्रकार देखता हैः

- प्राकृतिक और सामाजिक दुनिया की बौद्धिक समझ विकसित करना,
- नैतिक और सौन्दर्यात्मक समझ का विकास करना,
- दूसरे प्राणियों के प्रति संवेदनशीलता और काम करने की सामर्थ्य का विकास करना।

इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षणशास्त्र को भी इन सिद्धान्तों के अनुरूप होना चाहिए। अतः दिगन्तर मानता है कि यदि शिक्षा के जरिए उपरोक्त लक्ष्यों को अर्जित करना है तो स्कूल के शिक्षणशास्त्र में निम्न बातों का समावेश होना चाहिएः

- ✶ स्कूल भय, दण्ड और प्रतिस्पर्द्धा से मुक्त हो।
- ✶ शिक्षक-बालक संबंध एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले और स्नेहपूर्ण हों।
- ✶ सीखने की गति की स्वतंत्रता या बच्चे को अपनी गति से सीखने की स्वतंत्रता मिले।
- ✶ समझ के साथ स्वयं सीखने पर जोर दिया जाए।
- ✶ एक-दूसरे से असंबद्ध सूचनाओं के टुकड़ों को एकत्रित करने के बजाय बच्चे की ज्ञान निर्माण की योग्यता के विकास पर जोर दिया जाए।
- ✶ अप्रश्नित आज्ञाकारिता और सत्ता के आज्ञापालन के बजाय आलोचनात्मक चिन्तन और प्रश्न पूछने को बढ़ावा दिया जाए।
- ✶ शिक्षकों का बच्चों के साथ गैर-सत्तात्मक और दोस्ताना व्यवहार हो।

*दिगन्तर लोकतांत्रिक मूल्यों पर संचालित होता है। दिगन्तर में सामूहिक, पारदर्शी, जवाबदेह और विकेन्द्रीकृत निर्णय प्रक्रिया अपनाई जाती है।*

दिगन्तर ने एक संस्था के तौर पर शिक्षा के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अपनी कार्य प्रणाली में भी इन्हीं के अनुरूप ढालने का प्रयास किया है। दिगन्तर की एक संस्था के तौर पर कार्य प्रणाली की कुछ खासियतें हैं। दिगन्तर लोकतांत्रिक मूल्यों पर संचालित होता है। दिगन्तर में सामूहिक, पारदर्शी, जवाबदेह और विकेन्द्रीकृत निर्णय प्रक्रिया अपनाई जाती है।

एक छोटे स्कूल से आरंभ होकर वर्तमान में दिगन्तर शिक्षा के क्षेत्र में कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है। वर्तमान में दिगन्तर एक स्कूल, अकादमिक संदर्भ केन्द्र, शिक्षक संबलन कार्यक्रम, द्वैमासिक पत्रिका 'शिक्षा विमर्श' के प्रकाशन और इन सभी कार्यक्रमों को व्यवस्थागत मदद मुहैया करवाने के लिए रिसोर्स सपोर्ट यूनिट का संचालन कर रहा है। रिपोर्ट के अगले हिस्सों में वर्ष 2014-15 में संस्था के द्वारा अलग-अलग कार्यक्रमों में किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण पेश किया जा रहा है।

# दिगन्तर विद्यालय

आरंभ से ही स्कूल संचालन दिगन्तर की सबसे प्रमुख गतिविधि रही है। दिगन्तर विद्यालय के संचालन को वर्ष 2014-15 में करीब 37 साल पूरे हो चुके हैं। दिगन्तर विद्यालय की शुरुआत एक छोटे स्कूल के रूप में हुई। साल 2014-15 में दिगन्तर विद्यालय में 488 बच्चे (प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक) अध्यनरत हैं। दिगन्तर विद्यालय जयपुर शहर के दक्षिण-पूर्व में सांगानेर पंचायत समिति के ग्रामीण क्षेत्र (खो-रेबारियान तथा भावगढ़ बंध्या गांव) में संचालित है और इसमें आस-पास की 28 ढाणियों के बच्चे पढ़ने आते हैं। इन बच्चों को पढ़ाई-लिखाई के लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं देना होता है। बच्चों को संपूर्ण शिक्षण सामग्री विद्यालय द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

*2014-15 में दिगन्तर विद्यालय में कुल 488 बच्चे (प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक) अध्यनरत हैं। दिगन्तर विद्यालय जयपुर शहर के दक्षिण-पूर्व में सांगानेर पंचायत समिति के ग्रामीण क्षेत्र (खो-रेबारियान तथा भावगढ़ बंध्या गांव) में संचालित है और इसमें आस-पास की 28 ढाणियों के बच्चे पढ़ने आते हैं। इन बच्चों को पढ़ाई-लिखाई के लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं देना होता है।*

दिगन्तर विद्यालय ऊपर वर्णित शिक्षा के व्यापक उद्देश्यों और शिक्षणशास्त्र के सिद्धान्तों के साथ संचालन का प्रयास करता है। साथ ही दिगन्तर विद्यालय निम्नांकित विशेष लक्ष्यों की दिशा में प्रयासरत हैः

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सार्वजनीकरण के प्रयासों में मदद करना।
- आरंभिक शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक नीतियों व शैक्षिक सिद्धान्तों को दिशा देने में मदद करना।
- शिक्षकों के विकास के लिए शिक्षाक्रम एवं शिक्षण सामग्री विकसित करना।
- आरंभिक शिक्षा के क्षेत्र में सिद्धान्त और व्यवहार के बीच के अन्तर को कम करना।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित बच्चों, विशेषकर बालिकाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना।
- विद्यालय और समुदाय के बीच सहज एवं भरोसेमंद संबंध कायम करना तथा विद्यालय के संचालन और प्रबंधन में समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।

दिगन्तर का मानना है कि विद्यालय सभी बच्चों को तभी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवा सकते हैं जब सीखने-सिखाने की प्रक्रियाओं का आरंभ बच्चों के संदर्भ से किया जाए, सीखने-सिखाने के

तरीके बच्चे की समस्याओं को संबोधित करें, बच्चों के स्तर के अनुरूप शिक्षण सामग्री हो, आकलन के तरीके बच्चों के सीखने में आने वाली समस्याओं को चिन्हित करने और दूर करने में सहायता प्रदान करें।

## दिगन्तर विद्यालय की विशेषताएं

*विद्यालय में बच्चों को अपनी गति से सीखने की स्वतंत्रता है। बच्चे अपने अनुभव व क्षमताओं के आधार पर एक-दूसरे के सहयोग करते हुए सीखते हैं। बच्चों को कक्षाओं में बांटने की बजाय उनके स्तरानुकूल समूह बनाए गए हैं।*

- विद्यालय में बच्चों को अपनी गति से सीखने की स्वतंत्रता है। बच्चे अपने अनुभव व क्षमताओं के आधार पर एक-दूसरे के सहयोग करते हुए सीखते हैं। बच्चों को कक्षाओं में बांटने की बजाय उनके स्तरानुकूल समूह बनाए गए हैं।
- बच्चे दण्ड और भय रहित वातावरण में सीखते हैं।
- बच्चे स्कूली विषयों के अलावा रचनात्मक गतिविधियों, संगीत, नाटक, हस्तकलाओं आदि में भागीदारी करते हैं।
- बच्चों की विद्यालय संचालन में भागीदारी होती है।
- बच्चे परीक्षा के भय से मुक्त होकर सीखते हैं।
- विद्यालय की कोशिश है कि शैक्षिक सिद्धान्त और शिक्षण प्रक्रिया में फर्क न हो।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2005 में वर्णित शिक्षण विधाओं तथा सतत व व्यापक मूल्यांकन को 1978 से ही दिगन्तर विद्यालयों में व्यवहार में लाया जाता रहा है।

बच्चे प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक कुल 17 समूहों में पढ़ाई करते है, जिसमें 10 समूह प्राथमिक, 05 समूह उच्च प्राथमिक, 01 समूह माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक में 01 समूह है। दिगन्तर विद्यालय में वर्ष 2014-15 में कुल 488 बच्चे (343 बालिकाएं, 193 बालक) अध्ययनरत रहे हैं। समूहवार विवरण निम्न तालिका में वर्णित है:

*बच्चे अपने अनुभव व क्षमताओं के आधार पर एक-दूसरे का सहयोग करते हुए सीखते हैं।*

| विद्यालय स्तर | समूह | शिक्षक | बच्चे | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | बालिकाएं | बालक | कुल |
| प्राथमिक | 10 | 11 | 174 | 126 | 300 |
| उच्च प्राथमिक | 06 | 05 | 99 | 37 | 136 |
| माध्यमिक | 01 | 05 | 37 | – | 37 |
| उच्च माध्यमिक | 01 | 01 | 15 | – | 15 |
| कुल | 17 | 22 | 325 | 163 | 488 |

## दिगन्तर विद्यालय की मुख्य गतिविधियां

साल 2014-15 में दिगन्तर विद्यालय में यह कोशिश की गई है कि विद्यालय का वातावरण सीखने-सिखाने के लिए उपयुक्त हो, जीवंत हो और बच्चों और शिक्षकों में सीखने के प्रति आकर्षण कायम रखा जाए। इसके लिए शिक्षकों की नियमित कार्यशालाएं की गईं और बच्चों के लिए विषयगत शिक्षण से इतर गतिविधियों में भागीदारी के मौके मुहैया कराने का प्रयास किया गया।

वर्ष 2014-15 में विद्यालय में शिक्षकों एवं बच्चों के सीखने के लिए नियमित गतिविधियों के साथ एकरूपता एवं नीरसता को तोड़ने वाली विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। साल में हुई गतिविधियों की एक संक्षिप्त झलक यहां प्रस्तुत है।

## शिक्षक क्षमतावर्धन कार्यशालाएं

दिगन्तर मानता है कि बच्चों के अर्थपूर्ण सीखते रहने के लिए शिक्षकों को भी निरंतर सीखते रहने की आवश्यकता होती है। इसके साथ ही अपने शिक्षण के अनुभवों पर पुनर्चिन्तन भी करना होता है। यह मौके संस्था के तौर पर शिक्षक समूह को उपलब्ध करवाने होते हैं। इसके लिए दिगन्तर में शिक्षकों के लिए नियमित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।

## ग्रीष्मकालीन कार्यशाला

वार्षिक गतिविधि कलेण्डर के अनुसार हर साल जून माह में बच्चों के ग्रीष्मकालीन अवकाश के वक्त शिक्षकों की 30 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। इस कार्यशाला में अगले साल के लिए विद्यालय की जरूरतों को चिन्हित करने, उनके अनुरूप मिलकर तैयारी करने व आगामी वर्ष के कार्य की रूपरेखा तैयार की जाती है। 1 से 30 जून 2014 तक शिक्षक क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य रूप से शिक्षण के दौरान आ रही समस्याओं को समझकर इनका समाधान खोजना, भाषा शिक्षण के नजरिए को समझना, अलग-अलग शिक्षण बिन्दुओं पर थीम तैयार करना, बच्चों के वार्षिक लक्ष्य का निर्धारण एवं वर्ष भर बच्चों के साथ शिक्षण कार्य की तैयारी की गई।

इसके अलावा शिक्षकों ने कला में क्ले व हस्तकार्य सीखने के साथ सआदत हसन मंटो की कहानी पर आधारित नाटक 'टोबा टेक सिंह' तैयार किया जिसका कार्यशाला के समापन पर प्रस्तुतिकरण किया गया। शिक्षकों इस कार्यशाला में बच्चों के स्तरानुसार कहानी-कविताओं का सृजन किया।

## शिक्षण सामग्री निर्माण कार्यशाला

19 अक्टूबर 2014 से 21 अक्टूबर 2014 तक दिगन्तर विद्यालय में शिक्षण सामग्री निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री की जरूरत को ध्यान में रखते हुए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें सभी विषयों पर स्तरानुसार शिक्षण सामग्री तैयार की गई।

## अंग्रेजी शिक्षण कार्यशाला

अगस्त 2014 में अंग्रेजी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अंग्रेजी भाषा शिक्षण की जरूरत व अंग्रेजी भाषा के लिए उपयुक्त माहौल कैसे विकसित किया जाए, इस पर शिक्षकों के साथ विस्तार से बातचीत की गई। साथ ही अंग्रेजी भाषा के शिक्षाक्रम पर कार्य किया गया। इसके साथ ही प्राथमिक से उच्च प्राथमिक स्तर तक अंग्रेजी भाषा शिक्षण में क्षमताएं दक्षताएं तय की गईं।

## गणित कार्यशाला

जनवरी, 2015 में शिक्षकों के साथ गणित कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिगन्तर स्कूल में कार्यरत सभी शिक्षकों ने इस कार्यशाला में भागीदारी की। कार्यशाला में किए गए कार्य निम्न हैंः

- गणित की प्रकृति पर समझ बनाना।
- गणित शिक्षण में शिक्षक की भूमिका पर समझ बनाना।
- मौखिक गणित पर काम करना।
- गणित शिक्षण में सामग्री का उपयोग महत्त्व।
- गणित में बच्चों के साथ किए गए काम के अंकन की प्रक्रिया पर समझ बनाना।

## बाल मेला आयोजन

14 नवम्बर, 2014 को दिगन्तर विद्यालय में बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले में सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालयों के बच्चों को भी शामिल किया गया। इस बाल मेले में करीब 19 स्टाल लगाए गए। मेले में सरकारी एवं गैर-सरकारी स्कूलों के बच्चों की अच्छी भागीदारी रही। इसी दिन दिगन्तर विद्यालय में नव-निर्मित शौचालयों का उद्घाटन समुदाय की एक महिला हमीदा व पूर्व सरपंच रावत जी ने किया।

## बच्चों की अन्य संस्थाओं के कार्यक्रमों में भागीदारी

10 नवम्बर, 2014 को स्टेंडर्ड चाटर्ड बैंक द्वारा जयपुर में आयोजित कार्यशाला में दिगन्तर से 15 बच्चों ने भागीदारी की। बैंक प्रक्रिया, असली नोट की पहचान, एटीएम के उपयोग के बारे में विस्तार से बच्चों ने समझा। बच्चों ने बैंक संबंधी कामकाज को समझा।

15 जनवरी, 2015 को तहलका फाउण्डेशन दिल्ली द्वारा जयपुर में आयोजित जयपुर लिक्टेचर फेस्टिवल कार्यशाला में दिगन्तर से 08 बच्चों ने भागीदारी की। इस भागीदारी के दौरान बच्चों ने नाटक तैयार किया जिसका इस जयपुर लिक्टेचर फेस्टिवल में 4 बार मंचन किया गया। बच्चों के सीखने के लिहाज से इस कार्यक्रम में बच्चों की भागीदारी से उन्हें सीखने के अवसर मिले।

## शैक्षिक संवाद

शिक्षकों के साथ तीन अलग-अलग लेखों पर शैक्षिक संवाद का आयोजन किया गया है। इस संवाद में सभी शिक्षकों ने भाग लिया साथ ही शिक्षा विमर्श से व तरू सदस्यों ने भी भाग लिया। इस संवाद में शिक्षा विमर्श में प्रकाशित लेखों का इस्तेमाल किया गया। शिक्षकों ने पूर्व में उपलब्ध करवाए लेखों को पढ़ा और चर्चा में भागीदारी की।

## शिक्षक दिवस मनाना

शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम हेतु शिक्षकों के साथ मिलकर योजना बनाई गई। शिक्षक दिवस पर 5 सितम्बर, 2014 को स्कूल में कार्यक्रम किया गया। इसके अन्तर्गत तीन स्तर पर योजनानुसार कार्य इस प्रकार हुआः

1. बच्चों द्वारा शिक्षक की भूमिका निभाना।
2. बच्चों के अनुभवों की शेयरिंग करना।
3. शैक्षिक अनुभवों की शेयरिंग करना।
4. शिक्षक निर्मिति एक प्रस्ताव पर आपसी चर्चा की गई।

## बाल पंचयात चुनाव

दिगन्तर विद्यालय में लोकतांत्रिक निर्वाचन प्रणाली का अनुभव देने और बच्चों की विद्यालयी व्यवस्था में भागीदारी के लिए बाल पंचायत का चुनाव करवाया गया। इसके लिए 16 से 17 सितम्बर, 2014 को दो दिन बाल पंचायत के चयन के लिए लोकतांत्रिक मतदान प्रक्रिया पर काम किया गया। इस मतदान प्रक्रिया में तत्कालिक बाल पंचायत सदस्यों द्वारा चुनाव आयोग की भूमिका निभाते हुए मतदान प्रक्रिया को पूर्ण करवाया। उम्मीदवार के रूप में खड़े हुए बच्चों ने नामांकन पत्र भरे। चुनाव चिन्ह प्राप्त करके चुनाव प्रचार सामग्री तैयार की। चुनाव प्रचार किया। मतदान किया। मतगणना हुई और पांच सदस्य नई बाल पंचायत के लिए चुने गए। पूरी प्रक्रिया में बच्चों ने पुलिस एवं संवाददाता की भूमिका में भी काम किया। खास बात यह रही कि बच्चों ने मतदान प्रक्रिया में होकर गुजरते हुए अपने अधिकार के प्रति सचेतता दिखाई।

## गांधी जयन्ती

2 अक्टूबर, 2014 को शाला में अवकाश होने के कारण 1 अक्टूबर को शाला में गांधी जयंती मनाई गई। बच्चों नें गांधीजी एवं शास्त्री जी के जीवन चरित्र एवं विचारों को जाना और वर्तमान सामाजिक स्थितियों के साथ उनका संबंध देखते हुए उनके महत्व को समझा। मंचीय कार्यक्रम के रूप में बच्चों ने झलकियां, विचार अभिव्यक्ति एवं कविता का प्रस्तुतिकरण किया। इस दौरान बच्चों ने अपने द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई।

## समुदाय के साथ संवाद

कुल 11 अलग-अलग ढाणियों में महिला अभिभावक बैठकों का आयोजन किया गया।

- आगामी समय में स्कूल में होने वाली गतिविधियों को साझा किया गया।
- मौसमी बीमारियों से बचाव के बारे में चर्चा की गई।
- बच्चों को नियमित लन्च बाक्स देकर भेजने के बारे में बातचीत की गई।
- बच्चों के साथ किये जाने वाले काम के तरीकों को बताया गया।
- बाल यौन शोषण पर टेलिफिल्म (कोमल) दिखाई व सुरक्षा को लेकर बातचीत की गई।

## अन्य संस्थाओं के लिए प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं

5 नवम्बर, 2014 को प्रज्ञा संस्था द्वारा हिमाचल प्रदेश में संचालित शैक्षिक कार्यक्रम हेतु शिक्षाक्रम बनाने हेतु दिल्ली में एक दिवसीय सेमीनार आयोजित की गई। दिगन्तर विद्यालय से इसमें भागीदारी रही।

25 से 26 नवम्बर, 2014 को जीवा संस्था द्वारा आयोजित विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सरकारी शिक्षकों व संस्था के कार्मिकों के लिए था। इस प्रशिक्षण को करने की जिम्मेदारी दिगन्तर स्कूल की थी। प्रशिक्षण में कुल 22 संभागी शामिल हुए।

11-12 जनवरी, 2015 को दिया संस्था द्वारा खेतडी में देव विश्वविद्यालय, हरिद्वार की अगुवाई में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसका आयोजन गायत्री परिवार के लोगों द्वारा किया गया। इसमें करीब 40 स्वयंसेवी संस्थाओं से व्यक्ति शामिल हुए। दिगन्तर स्कूल की ओर से इसमें दो व्यक्तियों ने भागीदारी की।

2 से 6 फरवरी तक 5 दिन विद्यालय टीम द्वारा राजसमन्द स्थित जीवा संस्था द्वारा संचालित केन्द्रों पर अध्ययनरत 500 बच्चों का शैक्षिक स्तर आकलन किया।

खेजडी सर्वोदय संस्थान व दुर्गा देवी ट्रस्ट के सहयोग से 35 निजी स्कूलों के शिक्षकों की 30 व 31 मार्च को एक प्रशिक्षण किया गया। जिसमें रचनात्मक शिक्षण व शाला वातावरण पर दिगन्तर द्वारा प्रशिक्षण किया गया। इस प्रशिक्षण में दिगन्तर से 2 शिक्षक व 2 समन्वयक शामिल रहे।

## शैक्षिक एक्सपोजर विजिट

*इस वर्ष बच्चों को विज्ञान पार्क व तारामण्डल व प्रेस का विजिट करवाया गया। विज्ञान पार्क में बच्चों ने विज्ञान से जुड़े कई प्रयोग देखे व नई टेक्नोलॉजी के बारे में जाना।*

*...उच्च प्राथमिक स्तर के बच्चों ने जयपुर स्थित आमेर फोर्ट की विजिट की। माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर पर बच्चों द्वारा दैनिक नवज्योति प्रेस का अवलोकन किया।*

*...उच्च माध्यमिक स्तर के सभी बच्चे जवाहर कला केन्द्र में आयोजित कला प्रदर्शनी देखने गए।*

इस वर्ष बच्चों को विज्ञान पार्क व तारामण्डल व प्रेस का विजिट करवाया गया। विज्ञान पार्क में बच्चों ने विज्ञान से जुड़े कई प्रयोग देखे व नई टेक्नोलॉजी के बारे में जाना। तारामण्डल में अपने अंतरिक्ष व सौरमण्डल, तारों, ग्रहों के बारे में बहुत ही अच्छे तरीके से बताया गया। बच्चों ने अपने सौर परिवार के बारे में समझा।

उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों ने जयपुर स्थित आमेर फोर्ट की विजिट की। माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर पर बच्चों द्वारा दैनिक नवज्योति प्रेस का अवलोकन किया। साथ अखबार के प्रकाशन की सम्पूर्ण प्रक्रिया को समझा।

23 नवम्बर, 2014 को उच्च माध्यमिक स्तर के सभी बच्चे जवाहर कला केन्द्र में आयोजित कला प्रदर्शनी देखने गए।

26 अगस्त, 2014 को खो रेबारियान शाला के प्राथमिक स्तर के बच्चों ने स्थानीय भ्रमण किया। इस दौरान बच्चों ने सर्वप्रथम पहाड़ी की तलहटी के नीचे बनी बावडी का अवलोकन किया। अवलोकन के बाद बच्चों के साथ बातचीत की गई की बावडी में पानी कहां से आया होगा? यह हमारे लिए किस प्रकार से उपयोगी है? हमें बावडी को ठीक प्रकार से रखने के लिए क्या करने की जरूरत है? बावडी के अलावा पहाड़ी पर बने आशावरी माता के मन्दिर के पास बने ऐनिकट को देखा तथा इसे क्यों बनाया, कब बनाया इसकी जरूरत क्या है, इस पर बातचीत की गई। बच्चों ने भ्रमण के दौरान आनन्द लिया बड़े बच्चों ने छोटे बच्चों को ले जाने मे मदद की।

## गणतंत्र दिवस कार्यक्रम

26 जनवरी को शाला स्तर पर गणतन्त्र दिवस का आयोजन किया गया। इस दिन बच्चों ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया व संविधान के अनुसार समाज की संकल्पना व वर्तमान स्थिति को

विभिन्न झलकियों, नाटक व गीतों कें माध्यम से प्रस्तुत किया। शाला स्तर पर एक प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें संविधान में निहित मौलिक अधिकार और कर्तव्यों आदि को विभिन्न चित्रों व विचारों के जरिए प्रस्तुत किया।

## स्वतंत्रता दिवस उत्सव

विद्यालय स्तर पर 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस दिन बच्चों ने गीत कविता, नाटक व झलकियों के माध्यम से इस दिवस से संबंधित कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने आजादी के मायने क्या हैं, इसे समझा तथा वर्तमान भारत की स्थिति का आलोचनात्मक अध्ययन करते हुए आजादी के संबंध में अपने विचार अभिव्यक्त किए।

*26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस और 15 अगस्त को स्वतन्त्रता दिवस के उत्सव मनाए गए।*

*इन कार्यक्रमों में बच्चों ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया व संविधान के अनुसार समाज की संकल्पना व वर्तमान स्थिति को विभिन्न झलकियों, नाटक व गीतों कें माध्यम से प्रस्तुत किया।*

## विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव

खो रेबारियान शाला की प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया है। शाला की पुरानी प्रबंधन समिति के अधिकतर सदस्यों के बच्चे शाला से प्राथमिक शिक्षा पूरी करके अन्यत्र अध्ययन हेतु चले गए थे। अतः नई प्रबंधन समिति का गठन किया। प्रबंधन समिति के सदस्यों का चयन निर्विरोध हुआ।

## विद्यालय गतिविधि केन्द्र

दिगन्तर विद्यालय भावगढ़ शाला में एक गतिविधि केन्द्र विकसित करने के लिए स्विटजरलैण्ड की संस्था एक्शन फोर द सपोर्ट ऑफ डिप्राइन्ड चिल्ड्रन सत्र ASED तथा कारगिल के वित्तीय सहयोग से गतिविधि सेन्टर निर्माण कार्य सत्र 2013 जारी है। इस सत्र में इस प्रोजेक्ट को लेकर ASED व कारगिल से आये मेहमानों के साथ बैठकें की गईं। साथ ही निदेशक व समन्वयक दल द्वारा नियमित रूप से बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें निर्माण कार्य की प्रगति व गुणवत्ता पर विचार विमर्श कर इसकी रूपरेखा तैयार की गई। इसके अन्तर्गत स्वास्थ्य कक्ष, पुस्तकालय, हैण्डीक्राफ्ट रूम, साइंस लैब, कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य अंतिम चरण में चल रहा है।

## अशोका चेन्ज मेकर स्कूल में दिगन्तर विद्यालय का चयन

दिगन्तर विद्यालय को 'अशोका चेन्ज मेकर स्कूल्स' में शामिल किया गया है। भारत उपरोक्त चेन्ज मेकर प्रक्रिया के तहत सर्वप्रथम अशोका संस्था से तीन मेहमान विद्यालय आए उन्होंने विद्यालय का अवलोकन किया। इसके बाद दिगन्तर से दो व्यक्ति बैंगलोर चेन्ज मेकर स्कूल चयन प्रक्रिया में शामिल हुए जिसमें लगभग 4 घण्टे व्यक्तिगत साक्षात्कार किया गया जिसके अन्तर्गत दिगन्तर के बारे में विस्तार से बातचीत की गई। वर्तमान में दिगन्तर विद्यालय का इसमें चयन हो गया है।

6 अप्रैल को दिगन्तर स्कूल को भारत के सात अशोका चेन्जमेकर स्कूलों में से एक स्कूल के रूप में चुना गया। जयपुर से पहली बार किसी स्कूल का चुनाव इस श्रेणी के अर्न्तगत हुआ। चेन्ज मेकर स्कूल परियोजना एक वैश्विक पहल है जिसे अशोका इनोवेटर्स द्वारा लोगों के लिए ऐसे स्कूलों को पहचानने, जोड़ने और सहायता देने हेतु शुरू किया गया है जो सीखने-सिखाने के नए तरीकों की ज़रूरत को पहचानते हैं। ये स्कूल युवाओं को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशलों जैसे सहानुभूति,

टीम में काम करने की कुशलता, समालोचनात्मक सोच एवं रचनात्मकता आदि से लैस कर सशक्त करते हैं।

### अन्य

*एकलव्य द्वारा प्रकाशित चकमक पत्रिका में तीन गतिविधियां चल रही हैं जिसमें मेरा पन्ना, फुक से तुरपाई व गुलजार की पंक्तियों पर चित्र बनाना। इन तीनों गतिविधियों में दिगन्तर विद्यालय के बच्चों की भागीदारी रहती है।*

एकलव्य द्वारा प्रकाशित चकमक पत्रिका में तीन गतिविधियां चल रही हैं जिसमें मेरा पन्ना, फुक से तुरपाई व गुलजार की पंक्तियों पर चित्र बनाना। इन तीनों गतिविधियों में दिगन्तर विद्यालय के बच्चों की भागीदारी रहती है। इन सभी गतिविधियों में दिगन्तर विद्यालय के प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर के करीब 15 बच्चों की रचनाएं व चित्र प्रकाशित हुए हैं।

सत्र 2014-15 बच्चों की पत्रिका बातूनी के 3 अंकों का प्रकाशन किया गया। न्यूज लेटर के 1 अंक प्रकाशित हुये हैं।

## आगन्तुक विवरण

दिगन्तर विद्यालयों में चल रही सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को देखने-समझने के लिए पूरे देश से लोग निरंतर आते रहते हैं। इसमें से शैक्षिक संस्थानों से शिक्षा में अध्ययनरत शिक्षार्थी होते हैं तो कुछ शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के प्रतिनिधि होते हैं। सत्र 2014-15 में दिगन्तर विद्यालय में अवलोकन हेतु देश की विभिन्न 27 संस्थाओं से लोग आए। इन्होंने विद्यालय का अवलोकन किया व दिगन्तर शिक्षण विधा को समझा।

## दिगन्तर विद्यालय की वर्तमान स्थिति एवं चुनौतियां

दिगन्तर विद्यालय पिछले करीब एक साल से आर्थिक संकट से गुजर रहा है। फिलहाल दिगन्तर विद्यालय के पास स्कूल संचालन के लिए किसी तरह की वित्तीय मदद उपलब्ध नहीं है। संस्था द्वारा वित्तीय मदद जुटाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस अनिश्चितता का असर स्कूल टीम और इसके परिणामस्वरूप स्कूल के कार्यों पर भी पड़ रहा है।

# शिक्षक संबलन कार्यक्रम

शिक्षक संबलन कार्यक्रम प्राथमिक शिक्षा में एक शोध केन्द्रित कार्यक्रम है। इसका आरंभ जयपुर जिले के फागी ब्लॉक में अप्रैल 2013 से हुआ। इस कार्यक्रम की संकल्पना पार्टिस्पेट्री एक्शन रिसर्च की है और यह कार्यक्रम टीचिंग पोर्टपोलियो एवं सहकर्मी शिक्षकों के साथ संवाद के जरिए रिफ्लेक्टिव प्रेक्टिशनर्स और शिक्षकों की सामर्थ्य में वृद्धि की संभावनाओं को तलाशने और इन्हें बढ़ावा देने के लिए संचालित किया जा रहा है।

*शिक्षा संबलन कार्यक्रम के सभी हितधारकों में शोध प्रस्ताव की समझ बनाने के लिए बड़े समूह की 2 अगस्त, 2014 को बैठक की गई। इस बैठक में फागी ब्लॉक के नोडल स्कूलों के प्राथमिक शिक्षक, सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त निदेशक, जयपुर जिले की डाइट के प्रतिनिधि, फागी ब्लॉक के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, विशेषज्ञ समिति के तीनों सदस्य, वॉटिस के प्रतिनिधि और दिगन्तर के कार्यकारी निदेशक के साथ ही दिगन्तर की विभिन्न इकाइयों के सदस्यों ने भाग लिया।*

इस कार्यक्रम को दो साल पूरे हो चुके हैं। वर्ष 2014-15 की योजना के अनुसार मुख्य कार्य निम्न प्रकार तय किए गए थेः

- शोध प्रस्ताव और विशेषज्ञ समिति की बैठक की रिपोर्ट को अंतिम रूप देना।
- टीचिंग पोर्टफोलियो की रूपरेखा विकसित करना।
- हितधारकों की बड़े समूह में बैठक का आयोजन करना।
- ''सहभागी'' न्यूज लैटर के दो अंकों का प्रकाशन करना।
- फागी ब्लॉक के सभी प्राथमिक विद्यालयों में ''सहभागी'' न्यूज लैटर की प्रतियां वितरण करना।
- पोर्टफोलियो लेखन, पार्टिसिपेट्री एक्शन रिसर्च और अन्य तय किए बिन्दुओं पर शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित करना।
- सहकर्मी शिक्षक समूह के साथ बैठकें आयोजित करना।
- पोर्टफोलियो लेखन के आंकड़े एकत्रित करना और सहकर्मी शिक्षक समूह के मेमोज एकत्रित करना।
- पोर्टफोलियो लेखन को विश्लेषित करने के लिए मापदण्ड तय करना।
- आंकड़ों का विश्लेषण करना।

- कार्यक्रम टीम की क्षमतावर्द्धन के लिए कार्यशालाएं करना।
- विशेषज्ञ समिति की साल में दो बैठकें आयोजित करना।
- शिक्षा संबलन कार्यक्रम, फागी के संदर्भ केन्द्र को समृद्ध बनाना।

इस कार्यक्रम के दो साल पूरे हो चुके हैं। इस दरम्यान तयशुदा कामों में से कई काम पूरे हुए हैं। पिछले साल के अंत में हुए विशेषज्ञ समिति और अन्य हितधारकों के साथ हुई बैठक में आए सुझावों के अनुसार शोध प्रस्ताव को तरू सदस्यों के सहयोग से अंतिम रूप दे दिया गया है।

## बड़े समूह की बैठक

शोध प्रस्ताव को साझा करने एवं सभी हितधारकों में शोध प्रस्ताव की समझ बनाने के लिए बड़े समूह की 2 अगस्त, 2014 को बैठक की गई। इस बैठक में फागी ब्लॉक के नोडल स्कूलों के प्राथमिक शिक्षक, सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त निदेशक, जयपुर जिले की डाइट के प्रतिनिधि, फागी ब्लॉक के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, विशेषज्ञ समिति के तीनों सदस्य, वॉटिस के प्रतिनिधि और दिगन्तर के कार्यकारी निदेशक के साथ ही दिगन्तर की विभिन्न इकाइयों के सदस्यों ने भाग लिया। इस बैठक में सभी हितधारकों की उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और सभी ने अपने विचार और सरोकारों को साझा किया। इस बैठक में शिक्षकों की भूमिका, जवाबदेही और स्वायत्तता, शिक्षकों के जीवंत अनुभवों और शिक्षण पोर्टफोलियों के लिए इसकी जरूरत, शिक्षकों के सशक्तिकरण और इसके निहितार्थ तथा शिक्षकों के साझा प्रयास और इसके शिक्षकों के कार्य के लिए महत्ता पर चर्चा हुई। इस बैठक में ''सहभागी'' न्यूज लैटर के पहले अंक का विमोचन भी किया गया।

## सहभागीः शिक्षकों के बड़े समुदाय तक पहुंच और शिक्षकों के अनुभवों को साझा करना

इस पार्टिसिपेट्री एक्शन रिसर्च की समय और संसाधनों के रूप में अपनी सीमाएं हैं और इसलिए पूरे ब्लॉक में इसे नहीं किया जा सकता। सहभागी न्यूज लैटर ब्लॉक के बड़े समूह तक पहुंचने का एक प्रयास है। इस न्यूज लैटर के लिए हितधारकों से लिखित सामग्री को एकत्रित करने, अनुवाद करने, संपादित करने और ले-आउट आदि तैयार करके इसे प्रकाशित किया गया।

सहभागी के अंक में फागी ब्लॉक में दिगन्तर के पिछले कार्यक्रम के बारे में शिक्षकों के अनुभव, शिक्षकों के सशक्तिकरण और स्वायत्तता, शिक्षक संबलन कार्यक्रम की संकल्पना आदि विषयों पर पिछले साल किए गए कार्य के आधार पर लेख आए। कार्यक्रम टीम ने ब्लॉक के सभी स्कूलों में सहभागी का वितरण ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक संदर्भ व्यक्तियों और नोडल स्कूलों के प्रभारियों की मदद से किया और सभी ने इसमें अपना सहयोग दिया।

## टीचिंग पोर्टफोलियो प्रविष्ठियांः चुनौतियों/मुद्दों को समझने का प्रयास

शिक्षकों के द्वारा टीचिंग पोर्टफोलियो लेखन को उनके रोजमर्रा के शिक्षण के अनुभवों पर पुनर्चिंतन के एक माध्यम के तौर पर देखा जा रहा है। इसके पीछे यह मंशा भी है कि शिक्षक अपने शिक्षण अनुभव, उसमें पेश आने वाली चुनौतियों, मुद्दों को अपने सहकर्मी शिक्षकों के साथ साझा करते

हुए रिफ्लेक्टिव प्रेक्टिसनर्स के तौर पर विकसित होने और परस्पर सहयोग से सीखने वाले समुदाय के रूप में विकसित करें। इसके लिए कार्यक्रम टीम ने रिफलेक्शन, टीचिंग पोर्टफोलियो और इसके शिक्षण और साझा सीखने वाले समूह पर विभिन्न पठन सामग्री का अध्ययन किया।

*शिक्षकों ने बैठकों में टीचिंग पोर्टफोलियो लिखने के अनुभवों को साझा किया। सहभागी शिक्षकों ने समस्याओं, चुनौतियों, सरोकारों और काम के दरम्यान विकसित अन्तर्दृष्टि को साझा किया।*

कार्यक्रम टीम ने सहभागी शिक्षकों के साथ टीचिंग पोर्टफोलियो की प्रक्रिया और मुद्दों को समझने के लिए कुछ चुनिन्दा शिक्षकों के सप्ताह में तीन शिक्षकों साथ काम किया। इसमें शिक्षकों की योजना, कक्षा-कक्षीय शिक्षण का अवलोकन, अनुभवों को पोर्टफोलियो प्रविष्ठियों के तौर पर दर्ज करने की प्रक्रिया को समझा। इन पोर्टफोलियो प्रविष्ठियों को अगली सहकर्मी शिक्षकों के साथ होने वाली बैठकों में साझा किया गया।

## सहकर्मी शिक्षक समूह की बैठकः सवांद और अनुभवों को साझा करते हुए सीखना

सहकर्मी शिक्षक समूह की बैठकें अपने शिक्षण अनुभवों को साझा करने का एक मंच है। यह सोचा गया था कि ये बैठकें हर महीने होंगी और इन बैठकों में टीचिंग पोर्टफोलियो लेखन के अनुभवों और चुनौतियों को साझा किया गया। 2014-2015 में चार सहकर्मी शिक्षक समूह की बैठकें आयोजित की गईं। पहली बैठक अगस्त, 2014 में आयोजित हुई जिसमें 20 शिक्षकों ने सहभागिता की। दूसरी बैठक सितम्बर, 2014 को आयोजित हुई। इसमें 19 शिक्षकों ने सहभागिता की। तीसरी बैठक नवम्बर, 2014 में आयोजित हुई। चौथी बैठक फरवरी 2015 में आयोजित हुई और इसमें 14 शिक्षकों ने सहभागिता की।

शिक्षकों ने इन बैठकों में अपने टीचिंग पोर्टफोलियो लिखने के अनुभवों को साझा किया। सहभागी शिक्षकों ने समस्याओं, चुनौतियों, सरोकारों और काम के दरम्यान विकसित अन्तर्दृष्टि को साझा किया।

*साल 2014-15 में विभिन्न हितधारकों खासतौर से राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय और ब्लॉक स्तरीय शिक्षा अधिकारियों तथा डायट के प्रतिनिधि यों के साथ मेलजोल स्थापित करने और उसे कायम रखने में काफी समय और ऊर्जा लगी।*

## विश्लेषण के मापदण्ड

साल 2014-15 में शिक्षकों ने पोर्टफोलियो लिखना आरंभ किया तो बड़ी मात्रा में टीचिंग पोर्टफोलियो प्रविष्ठियां, रिपोर्ट्स, सहकर्मी शिक्षकों की बैठकों के मेमोज के रूप में आंकड़े एकत्रित होने लगे। इसके समानान्तर कार्यक्रम टीम ने इन आंकड़ों को विश्लेषित करने के मापदण्ड विकसित करने का काम किया। स्कूल अवलोकन के अनुभवों, शिक्षकों के साथ बातचीत और अन्य हितधारकों के अन्तःक्रिया से इन्हें विकसित करने में मदद मिली।

## शिक्षा अधिकारियों के साथ मेलजोल

साल 2014-15 में विभिन्न हितधारकों खासतौर से राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय और ब्लॉक स्तरीय शिक्षा अधिकारियों तथा डाइट के प्रतिनिधियों के साथ मेलजोल स्थापित करने और उसे कायम रखने में काफी समय और ऊर्जा लगी। कार्यक्रम टीम लगातार इनके संपर्क में थी। कार्यक्रम को इसका फायदा यह मिला कि सभी ने इस कार्यक्रम के संचालन में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया।

## स्कूल विजिट

स्कूल विजिट करना और इस कार्यक्रम में सहभागी शिक्षकों के साथ संवाद इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। साल 2014-15 में कार्यक्रम टीम के सदस्यों ने जरूरत के हिसाब से लगातार स्कूल विजिट कीं और शिक्षकों के साथ बातचीत की। इन स्कूल विजिट सिर्फ कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर संवाद के मंच के तौर पर ही काम नहीं किया बल्कि स्कूलों की स्थिति को समझने में भी मदद की। कार्यक्रम टीम ने विभिन्न बैठकों और कार्यशलाओं के लिए आदेश साझा करने तथा पोर्टफोलियो प्रविष्ठियां एकत्रित करने के लिए भी स्कूल विजिट कीं।

## शिक्षक संबलन कार्यक्रम संदर्भ केन्द्र

शिक्षक संबलन कार्यक्रम के फागी ऑफिस में एक संदर्भ केन्द्र की भी स्थापना की गई। यह संदर्भ केन्द्र कार्यक्रम से जुड़े सभी शिक्षकों और ब्लॉक में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत सभी लोगों के लिए उपलब्ध था। इस संदर्भ केन्द्र में शैक्षिक शोध, लर्निंग कम्युनिटी, रिफ्लेक्शन पर पुस्तकें उपलब्ध थीं। इसकी के साथ शिक्षा पर विभिन्न पत्र-पत्रिकाएं भी मंगाई जाती थीं। शिक्षकों की बैठकों और कार्यशालाओं में इन पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाता था। शिक्षक साथी अपनी रुचि के अनुसार पढ़ने के लिए पुस्तकें या पत्र-पत्रिकाएं ले जा सकते थे।

## वॉटिस के साथ बैठकें

'विप्रो एप्लाइंग थोट्स इन स्कूल्स' कार्यक्रम का एक हितधारक है और इस कार्यक्रम को वित्तीय सहायता भी दे रहा है। नवम्बर 2014 में वॉटिस के दो सदस्यों ने कार्यक्रम और तीन स्कूलों की विजिट की। इस विजिट में कार्यक्रम टीम और सहभागी शिक्षकों के साथ बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया कि इस कार्यक्रम के लिए एक साल का प्रस्ताव बनाकर वॉटिस को भेजा जाए। साथ ही 'शिक्षा समर्थन कार्यक्रम' पुनः जारी रखने के लिए भी प्रस्ताव तैयार किया जाए। कार्यक्रम टीम ने प्रस्ताव बनाकर वॉटिस को भेजा।

## 2014-15 में पूर्ण नहीं हो पाए कार्य

उपरोक्त कार्यों के अलावा साल 2014-15 में कुछ काम ऐसे थे जो कि पूरे नहीं हो पाए।

- इस साल में विशेषज्ञ समिति सदस्यों की बैठक नहीं हो पाई।
- विश्लेषण के मापदण्ड तय कर चुकने के बाद भी कार्यक्रम टीम इस साल में एकत्रित किए गए आंकडों का विश्लेषण नहीं कर पाई है।
- सहभागी न्यूज लैटर का दूसरा अंक जारी नहीं हो पाया है। हालांकि इस अंक के लिए शिक्षकों से 5 लेख आ चुके हैं और 3 शिक्षक संपादकीय टीम में जुड़ने के लिए सहमति दे चुके हैं।

## चुनौतियां/सीमाएं

- ❖ पार्टिसिपेट्री एक्शन रिसर्च का पूरा विचार सहभागियों के सक्रिय जुड़ाव पर निर्भर करता है। इसके लिए समय और प्रयासों की भी जरूरत होती है। शिक्षकों के द्वारा इस कार्यक्रम में स्वैच्छिक रूप से जुड़ने ने उम्मीदें जगाईं लेकिन ऑफिस के अन्य कार्यों में व्यस्तताओं और साल

में तीन चुनावों होने की वजह से शिक्षक सहकर्मियों के साथ होने वाली बैठकों के दरम्यान टीचिंग पोर्टफोलियो नहीं लिख पाए।

- इस तरह के शोध आधारित कार्यक्रम में यह उम्मीद की गई थी कि तंत्र सहयोग प्रदान करेगा और इसे आगे जारी रखने में मदद करेगा। लेकिन अभी तक भी इस कार्यक्रम में शिक्षा तंत्र की बैठकों और कार्यशालाओं के लिए ऑर्डर जारी करने तथा कभी-कभार इनमें उपस्थित होने के रूप में सीमित भागीदारी रही है।

- शिक्षकों के साथ हर महीने एक कार्यशाला की योजना बनाई गई थी जिसमें वे अपने अनुभवों को साझा कर सकें और टीचिंग पोर्टफोलियो लेखन में आने वाली समस्याओं पर आपसी संवाद करते हुए अपने काम पर पुनर्चिंतन कर सकें। यह नियमित रूप से नहीं हो पाईं। इस साल में हुए लोकसभा, विधान सभा और पंचायत के चुनावों ने शिक्षकों को व्यस्त रखा।

# शिक्षा विमर्श

2014-15 में शिक्षा विमर्श अपने 17 साल का सफर पूरा कर चुकी है और इस साल पत्रिका नियमित प्रकाशित हुई है। अर्थात् पूरे साल में शिक्षा विमर्श के तय 6 अंक प्रकाशित हुए हैं।

शिक्षा विमर्श दिगन्तर का एक पंजीकृत प्रकाशन है। पत्रिका के प्रकाशन की शुरुआत 1998 में हुई थी। पत्रिका का मकसद हिन्दी के पाठकों को शिक्षा पर गुणवत्तापूर्ण साहित्य उपलब्ध करवाना है। पत्रिका के माध्यम से यह प्रयास है कि शिक्षा के सैद्धान्तिक पक्षों के साथ जमीनी स्तर पर कार्य के अनुभवों को पाठकों के सामने लाया जाए। शिक्षा विमर्श ने पिछले करीब 17 सालों में शिक्षा में समसामयिक मुद्दों पर चल रही बहसों पर पाठकों को हिन्दी में साहित्य उपलब्ध करवाया है। यदि इस क्रम में देखें तो शिक्षा विमर्श के कई अंक सामयिक बहसों पर केन्द्रित किए गए हैं। उदाहरण के लिए, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप, राजस्थान की पाठ्यपुस्तकों पर केन्द्रित अंक, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं इनके अनुरूप विकसित होने वाली पाठ्यपुस्तकों पर केन्द्रित समीक्षात्मक लेख और शिक्षा का अधिकार कानून पर विशेषांक। अभी तक 12 विशेषांक प्रकाशित हो चुके हैं।

दो साल पहले शिक्षा विमर्श के करीब 15 साल के प्रकाशन पर शिक्षाविदों, लेखकों और पाठकों के साथ एक समीक्षात्मक बैठक के बाद पत्रिका के स्वरूप में बदलाव के बारे सोचा गया। बदलाव की आवश्यकता पत्रिका को शिक्षकों और शिक्षा के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोगों के लिए अधिक बोधगम्य और सरल बनाने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए महसूस की गई। इस समीक्षा बैठक का सबसे महत्वपूर्ण सुझाव था कि पत्रिका के अनुवादों को अधिक सरस और बोधगम्य बनाया जाए। पत्रिका में प्रकाशित सामग्री में विविधता और शिक्षा से संबंधित कुछ विषयों पर परिचयात्मक लेखों की मौलिक शृंखला आरंभ करने के संदर्भ में भी विचार आए।

वर्ष 2014-15 में शिक्षा विमर्श अपने 17 साल का सफर पूरा कर चुकी है और इस साल पत्रिका नियमित प्रकाशित हुई है। अर्थात् पूरे साल में शिक्षा विमर्श के तय 6 अंक प्रकाशित हुए हैं। पिछले दो साल से शिक्षा विमर्श के प्रकाशन के लिए अजीम प्रेमजी यूनीवर्सिटी, बैंगलोर की ओर से वित्तीय

सहायता प्राप्त होती रही है। इसके साथ ही अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन से दो अंशकालिक सहायक संपादकों का सहयोग भी प्राप्त हुआ है।

साल 2014-15 में पत्रिका में प्रकाशित सामग्री को सरल एवं बोधगम्य बनाने के लिए यह कोशिश रही है कि अंग्रेजी से सीधे-सीधे अनुवादों के स्थान पर भावानुवाद करवाए गए हैं। साथ ही जमीनी अनुभव जुटाने पर भी काम किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे शोधों का सार भी देने का प्रयास किया गया है। यदि पिछले 6 अंकों में प्रकाशित सामग्री पर एक नजर डालें तो शिक्षा विमर्श के 6 अंकों में कुल 48 लेख प्रकाशित हुए हैं। जिनमें से 6 भावानुवाद, 3 साक्षात्कार, 3 व्याख्यान, 10 नियमित कॉलम, 4 सामयिक विषयों पर लेख, 3 शोध सार, 4 पुस्तक समीक्षा, 3 बाल साहित्य समीक्षा, 1 शोध एवं 11 अन्य लेख प्रकाशित हुए हैं।

*पिछले दो साल से शिक्षा विमर्श के प्रकाशन के लिए अजीम प्रेमजी यूनीवर्सिटी, बैंगलोर की ओर से वित्तीय सहायता प्राप्त होती रही है। इसके साथ ही अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन से दो अंशकालिक सहायक संपादकों का सहयोग भी प्राप्त हुआ है।*

साल 2014-15 में कोई भी विशेषांक प्रकाशित नहीं हुआ है। हालांकि इस साल में ''शैक्षिक मूल्यांकन'' पर विशेषांक प्रकाशित करने की योजना बनाई गई और इसके लिए लेखकों से सामग्री जुटाने का काम आरंभ किया गया है लेकिन यह अंक मई-जून, 2015 के रूप में प्रकाशित होगा।

शिक्षा विमर्श की टीम में वर्ष 2005 से ही संपादक और एक कम्प्यूटर ऑपरेटर रहे हैं। बीच में कुछ समय के लिए प्रसार प्रबंधक भी नियुक्त किया गया लेकिन अधिकांश समय सिर्फ दो लोगों की टीम से ही काम चलता रहा है। शिक्षा विमर्श के लिए साल 2014-15 में पूर्ण कालिक सहायक संपादक की नियुक्ति का निर्णय लिया गया। इसके लिए 2014 में एक विज्ञप्ति निकाली गई और साक्षात्कार की प्रक्रिया नवम्बर-दिसम्बर 2014 में पूरी की गई। सहायक संपादक ने 12 जनवरी, 2015 को पदभार संभाला है।

*इस साल में ''शैक्षिक मूल्यांकन'' पर विशेषांक प्रकाशित करने की योजना बनाई गई और इसके लिए लेखकों से सामग्री जुटाने का काम आरंभ किया गया है*

शिक्षा विमर्श के प्रसार के लिए सीमित टीम की वजह से विशेष कार्य इस दौरान नहीं किया जा सका है। फिलहाल शिक्षा विमर्श की सदस्यताएं दो तरह की हैं। एक, शिक्षा विमर्श के द्वारा अपने स्तर पर जुटाई गई सदस्यताएं जो कि पुराने समय से जारी हैं और इनका नवीनीकरण होता रहता है। इनमें कुछ सदस्य पत्रिका की सदस्यता जमा नहीं कराते हैं तो कुछ नए जुड़ते रहते हैं। दूसरी की खरीद का ऑर्डर अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन से प्राप्त होता है। फाउन्डेशन अपने विभिन्न राज्य और जिला संस्थानों के लिए हरेक अंक की सामग्री को देखकर ऑर्डर करता है। यह संख्या तय नहीं होती। यानी शिक्षा विमर्श के हर अंक में प्रकाशित सामग्री के हिसाब से संख्या तय होती है। शिक्षा विमर्श की दोनों तरह की सदस्यताओं का विवरण नीचे की तालिका में दिया जा रहा है।

## वर्ष 2014-2015 में शिक्षा विमर्श की सदस्यताएं

| माहवार प्रकाशित अंक | नये जुड़े | पाठकों भेजी | APF को भेजे गए | कुल प्रतियां भेजी गई | नवीनीकरण हुई |
|---|---|---|---|---|---|
| अप्रैल, 2014 | 4 | 861 | 724 | 1585 | 8 |
| मई–जून, 2014 | 5 | 865 | 731 | 1596 | 41 |
| जुलाई–अगस्त, 2014 | 6 | 850 | 994 | 1844 | 34 |
| सितम्बर–अक्टूबर, 2014 | 94 | 982 | 420 | 1402 | 25 |
| नवम्बर–दिसम्बर, 2014 | 5 | 960 | 1003 | 1963 | 69 |
| जनवरी–फरवरी, 2015 | 7 | 994 | 1189 | 2183 | 24 |
| मार्च–अप्रैल, 2015 | 8 | 987 | 989 | 1983 | 17 |

## चुनौतियांः

- शिक्षा विमर्श पिछले 10 सालों में नियमित तौर पर प्रकाशित हो रही है लेकिन अभी भी हिन्दी में गुणवत्तापूर्ण सामग्री जुटाने की समस्या स्थायी है। हिन्दी में शिक्षा के सैद्धान्तिक पक्ष पर लिखने वाले लोगों की संख्या नगण्य है। अतः सैद्धान्तिक लेखों के लिए अंग्रेजी पर आश्रित रहना पड़ता है। अनुवाद के स्थान पर भावानुवाद भी आसान नहीं होता। भावानुवाद करवाने के लिए अनुवादकों के साथ काफी वक्त लगाना होता है।

- सीमित टीम के चलते कभी भी शिक्षा विमर्श के प्रसार पर ध्यान नहीं दिया जा सका है। इसलिए शिक्षा विमर्श की सदस्यताओं में बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है।

- शिक्षा विमर्श के लिए साल 2013 से 2015 तक अजीम प्रेमजी यूनीवर्सिटी, बैंगलोर से प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त होती रही है। मार्च 2015 में यूनीवर्सिटी ने कहा है कि पत्रिका को स्व-निर्भर बनाने की दिशा में कदम उठाए जाएं। यूनीवर्सिटी अब शिक्षा विमर्श के प्रकाशन के लिए वित्तीय मदद मुहैया नहीं करवाएगी। हालांकि आंशिक वित्तीय सहायता के लिए यूनीवर्सिटी के साथ बात चल रही है लेकिन मार्च 2015 के अंत तक स्थिति साफ नहीं हो पाई है। संभवतः शिक्षा विमर्श को प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता जुटानी होगी और सदस्यताओं का विस्तार करना होगा।

# अकादमिक संदर्भ इकाई (तरू)

दिगन्तर के आरंभ से करीब 15 साल तक स्कूल संचालन के अनुभवों के बाद शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अन्य संस्थाओं के द्वारा यह मांग आने लगी कि दिगन्तर शिक्षा की बेहतर समझ बनाने में उनकी मदद करे। एक संदर्भ इकाई के तौर पर दिगन्तर पिछले करीब 21-22 सालों से काम कर रहा है। पिछले तीन सालों से इस इकाई के संचालन के लिए अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन वित्तीय सहयोग प्रदान कर रहा है।

*एक संदर्भ इकाई के तौर पर तरू पिछले करीब 21-22 सालों से काम कर रहा है। पिछले तीन सालों से इस इकाई के संचालन के लिए अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन वित्तीय सहयोग प्रदान कर रहा है।*

## तरू का विजन

- तरू अपने-आपको आरंभिक शिक्षक शिक्षा के एक अध्ययन केंद्र, जो खास तौर पर इसके दार्शनिक आधारों पर केन्द्रित हो, के रूप में विकसित करना चाहता है।
- तरू एक बहुलवादी लोकतांत्रिक समाज की कल्पना करता है जहां हरेक सदस्य को न्याय, समानता, स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा मिलती हो। हमारा विश्वास है कि ऐसा समाज होने के लिए एक ऐसी शिक्षा जो मन-मस्तिष्क को पोषित कर हमें बौद्धिक रूप से आत्मनिर्भर और समुचित कर्म करने में सक्षम बनाती हो; एक तार्किक अनिवार्यता है। ऐसी शिक्षा एक स्वायत्तता और मननशील शिक्षक जिसमे जरूरी बौद्धिक व नैतिक क्षमताएं हों और अपने पेशे के प्रति संजीदा और समर्पित हो के बिना संभव नहीं है। हमारे लिए शिक्षक एक स्वायत्त पेशेवर है जिसकी शिक्षा रूपी इस पूरे उद्यम को संचालित करने के जिम्मेदारी है। और उसकी जवाबदेही बनती है कि समुदाय और समाज को वह अपने शैक्षिक निर्णयों के निहितार्थ बताए व समझाए।
- तरू उन सभी सैद्धान्तिक और आनुभविक जरूरतों का अध्ययन करना चाहता है जो एक स्वायत्त, मननशील और पेशेवर शिक्षक के विकास में बेहतर ढंग से मदद करते है। हम एक अच्छे आरंभिक शिक्षक और टीचर एजुकेटर के विकास में जरूरी सैद्धांतिक समझ, मूल्य,

*हमारे लिए शिक्षक एक स्वायत्त पेशेवर है जिसकी शिक्षा रूपी इस पूरे उद्यम को संचालित करने के जिम्मेदारी है। और उसकी जवाबदेही बनती है कि समुदाय और समाज को वह अपने शैक्षिक निर्णयों के निहितार्थ बताए व समझाए।*

रुझान और क्षमताओं पर केन्द्रित दार्शनिक विमर्श शुरू करने, एक्शन और सैद्धांतिक रिसर्च करने, कम अवधि के अकादमिक कोर्स शुरू करने और टीचिंग-लर्निंग सामग्री बनाने में अपना योगदान देना चाहते है।

*हमारा मानना है कि केवल उन साझेदारों और संस्थानों को ही जो कि सीधे-सीधे आरंभिक शिक्षक-शिक्षा से जुड़े हैं- जैसे DIETs और इनके अध्यापक शिक्षकों को समझना पर्याप्त नहीं है बल्कि हम शिक्षक शिक्षा को एक ऐसी प्रक्रिया के रूप में देखते है जो निरंतर चलती रहती हैं और एक साझा विकास प्रक्रिया की मांग करती है।*

## माध्यम

उपरोक्त विजन को वास्तविकता में बदलने के लिए हम आरंभिक शिक्षक शिक्षा के निम्न चार आयामों पर काम करना चाहते हैं:

i. आरंभिक शिक्षक और शिक्षक शिक्षा पर नीति विमर्श को समझना और उसकी दार्शनिक समालोचना करना।

ii. रिसर्च के माध्यम से नीति क्रियान्वयन और पूर्व-सेवाकालीन व सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा की प्रक्रियाओं को समझना और इनके शिक्षाक्रम और प्रक्रियाओं में बेहतर प्रयासों और खामियों को समझना।

iii. समझे गए इन बेहतर प्रयासों और खामियों के आलोक में हम आरंभिक शिक्षक शिक्षा का एक वैकल्पिक शिक्षाक्रम विकसित करने, टीचिंग-लर्निंग सामग्री बनाने, डायट, DIETs के छात्र-शिक्षक और टीचर एजुकेटर्स के साथ मिलकर एक्शन रिसर्च के माध्यम से सीखने-सीखाने की बेहतर प्रक्रियाओं को विकसित करने, टीचिंग-केसेज विकसित करने में कम अवधि के अकादमिक कोर्स शुरू करने और या तो अकेले या अन्य संस्थानों के साथ मिलकर कुछ रिसर्च व अन्य सहायक कार्यक्रमों को संचालित करने में अपना योगदान देना चाहते हैं।

*तरू इकाई ने साल 2014-15 के आरंभ में बनाई योजना के अनुसार कार्य करने का प्रयास किया। इस योजना के अनुसार काफी हद तक प्रगति हुई है और उपलब्धियां तथा कुछ असफलताएं भी रही हैं।*

iv. हमारा मानना है कि केवल उन साझेदारों और संस्थानों को ही जो कि सीधे-सीधे आरंभिक शिक्षक-शिक्षा से जुड़े हैं- जैसे DIETs और इनके अध्यापक शिक्षकों को समझना पर्याप्त नहीं है बल्कि हम शिक्षक-शिक्षा को एक ऐसी प्रक्रिया के रूप में देखते है जो निरंतर चलती रहती हैं और एक साझा विकास प्रक्रिया की मांग करती है। इसलिए सभी वें साझेदार- सरकारी व गैर-सरकारी (सर्व शिक्षा अभियान, जिला शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक संदर्भ केन्द्र, संकुल संदर्भ केन्द्र, जिला शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, निजी बीएड कॉलेज, विश्वविद्यालय, स्वयंसेवी संगठन इत्यादि)- जो शिक्षक-शिक्षा से किसी न किसी रूप से जुड़े हैं एक समुदाय के जैसे हैं और इस पूरे समुदाय को एक साझा समझ के साथ आरंभिक शिक्षक और इसकी शिक्षा के विकास के लिए काम करने की जरूरत है। तरू इस पूरे समुदाय को (जिसका वह अपने-आपको एक हिस्सा मानता है) समझने में और इसके विकास में अपना योगदान देना चाहता है।

## वर्ष 2014-15 में तरू द्वारा किए गए कार्य

तरू इकाई ने साल 2014-15 के आरंभ में बनाई योजना के अनुसार कार्य करने का प्रयास किया। इस योजना के अनुसार काफी हद तक प्रगति हुई है और उपलब्धियां तथा कुछ असफलताएं भी रही हैं। तरू सदस्यों ने अन्य सदस्यों के साथ विचार-विमर्श के बाद साल भर के लिए अपनी-अपनी व्यक्तिगत कार्य योजना तैयार कीं। मिलकर किए जाने वाले कामों की योजना पर तरू समन्वयक के साथ विचार-विमर्श किया गया।

तरू के द्वारा साल 2014-15 में किए गए कामों को योजना के अनुसार निम्न बिन्दुओं में देखा जा सकता है। इसे सुविधा की दृष्टि के हिसाब से दो खण्डों में देखा जा सकता है। तरू के संदर्भ इकाई के तौर पर स्वतंत्र कार्य और अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन के साथ किए गए कार्य जिन पर दोनों संस्थाओं की साझी सहमति थी।

## तरू के स्वतंत्र कार्य

1. **फाउन्डेशन कोर्सः** फाउन्डेशन कोर्स दिगन्तर का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसे तरू के द्वारा आयोजित किया जाता है। साल 2014-15 में फाउन्डेशन कोर्स के 10वें साल में इस कार्यक्रम घोषणा की गई और इसे 'विप्रो एप्लाइंग थोट्स इन स्कूल्स' बैंगलोर के सहयोग से सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

   इस कार्यक्रम में इस साल बहुत से बदलाव किए गए जो कि मुख्यतः तरू सदस्यों की कोर्स की योजना बनाने, तैयारी करने और कोर्स में फेकल्टी के तौर पर काम करने में अधिक सहभागिता पर ध्यान दिया गया। फाउन्डेशन कोर्स में किए जाने वाले 12 कोर्स में से 7 पर पूरी तरह तरू सदस्यों ने कार्य किया जिसमें योजना बनाने, सामग्री तैयार करने और सत्र लेने का काम किया। इसके अलावा 5 कोर्सों के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थाओं से बाहरी फेकल्टी को बुलाया गया। इस साल जिस दिशा में प्रयास किए गए हैं और यदि वे जारी रहे तो अगले सालों में दिगन्तर स्वयं इन सभी कोर्सों को करने में समर्थ होगा।

   इस साल यह कोशिश की गई कि फाउन्डेशन कोर्स के लिए एक सुनिश्चित बजट और इसके लिए अलग से टीम के तौर पर एक स्वतंत्र प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाए। इस दिशा में काम किया गया लेकिन यह काम उम्मीद के अनुरूप पूरा नहीं हो पाया। साल 2015-16 में इस पर पुनः काम करने की योजना है।

*फाउन्डेशन कोर्स के लिए एक सुनिश्चित बजट और इसके लिए अलग से टीम के तौर पर एक स्वतंत्र प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करने की दिशा में काम किया गया*

2. **निजी स्कूलों में गरीब/वंचित वर्ग के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर अध्ययनः** तरू सदस्यों द्वारा एक छोटा अध्ययन किया गया जिसे शिक्षा विमर्श ने प्रायोजित किया और राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इसे करने की अनुमति प्रदान की। यह अध्ययन कुल आठ निजी स्कूलों में किया गया था और सैंपल में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और राजस्थान बोर्ड के शहरी और ग्रामीण स्कूल शामिल किए गए थे। इस अध्ययन से शिक्षा के अधिकार कानून के प्रावधानों की निजी स्कूलों में अनुपालना की निराशाजनक तस्वीर निकलकर आई। इस अध्ययन की रिपोर्ट शिक्षा विमर्श में प्रकाशित हुई है।

*राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण की अनुमति से राजस्थान में निजी स्कूलों में गरीब/वंचित वर्ग के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर अध्ययन किया गया। रिपोर्ट शिक्षा विमर्श में प्रकाशित हुई है।*

*अध्ययन में शिक्षा के अधिकार कानून के प्रावधानों की निजी स्कूलों में अनुपालना की निराशाजनक तस्वीर निकलकर आई।*

3. **दिगन्तर इम्पेक्ट स्टडीः** दिगन्तर की कार्यकारिणी के सुझाव पर तरू सदस्यों ने दिगन्तर के शिक्षा के क्षेत्र में प्रभाव को समझने के लिए एक अध्ययन की संकल्पना तैयार कर यह अध्ययन किया। इस अध्ययन में यह समझने की कोशिश की गई कि दिगन्तर के करीब 40 सालों से शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए काम का प्रभाव क्या है। यह अध्ययन पूरा हो चुका है और इसकी रिपोर्ट भी प्रकाशित हो चुकी है।

*दिगन्तर द्वारा करीब 40 सालों से शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्य के प्रभाव को समझने के लिए एक अध्ययन की संकल्पना तैयार कर एक अध्ययन किया गया। अध्ययन की रिपोर्ट भी प्रकाशित हो चुकी है।*

4. **दिगन्तर के द्वारा विकसित सामग्री का पुनरावलोकनः** पिछले सालों में दिगन्तर ने बच्चों के सीखने-सिखाने के लिए शिक्षण सामग्री का विकास किया है। इस सामग्री का दिगन्तर स्वयं अपने विद्यालय में उपयोग करता है और शिक्षा के क्षेत्र में अन्य कार्यरत संस्थाएं भी उपयोग करती हैं। इस सामग्री को काफी सराहना भी मिली। इस सामग्री में से कुछ चुनिन्दा सामग्री पर पुनर्विचार करने की योजना बनाई गई। पुनर्विचार की योजना इस्तेमाल करने वालों के फीडबैक और आज की मौजूदा जमीनी समझ के आधार पर बनाई गई। इसकी शुरुआत भाषा में विकसित शिक्षण सामग्री से की गई।

   तरू सदस्यों ने भाषा शिक्षण का आरंभिक एप्रोच पेपर बनाया है। हालांकि यह अभी शुरुआत है। इस पर अगले साल भी काम जारी रहेगा। अगले साल की योजना में एप्रोच पेपर को अंतिम रूप देना और उसके अनुरूप भाषा में विकसित शिक्षण सामग्री में बदलाव करते हुए भाषा शिक्षण का पूरा पैकेज तैयार करना है।

5. **सामग्री विकास और पेपर लेखनः** अकादमिक संदर्भ इकाई के तौर पर तरू सदस्यों को विभिन्न कार्यशालाओं, प्रशिक्षण मॉड्यूल्स एवं अन्य जरूरतों के हिसाब से सामग्री विकसित करने, सामग्री का अनुवाद करने, रूपान्तरण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता रहा है। तरू सदस्यों ने इस साल में सामग्री विकसित की, अनुवाद किए और सामग्री का रूपान्तरण का कार्य किया। तरू सदस्यों द्वारा लिए गए लेख कई पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। जैसे, टीचर प्लस, भाषा और बोली, शिक्षा विमर्श, संदर्भ और खोजें और जानें। तरू सदस्यों द्वारा लिखे गए कुछ पेपर राष्ट्रीय सेमीनारों/संगोष्ठियों के लिए चुने गए और वहां प्रस्तुत किए गए।

6. **दिगन्तर के प्रोजेक्ट्स में सहयोगः** शिक्षक संबलन कार्यक्रम, फागी दिगन्तर का एक फील्ड प्रोजेक्ट है। इस कार्यक्रम में तरू के द्वारा मदद इस कार्यक्रम की संकल्पना में ही निहित है। इस कार्यक्रम में शोध प्रस्ताव एवं अन्य दस्तावेज विकसित करने में तरू ने सहयोग किया है। इसके साथ ही कार्यक्रम की जरूरत के हिसाब से बैठकों और कार्यशालाओं के आयोजन में मदद की है। शिक्षक संबलन कार्यक्रम के न्यूज लैटर ''सहभागी'' के प्रकाशन में भी तरू सदस्यों ने मदद की है।

7. **पाठ्यपुस्तक विश्लेषणः** तरू सदस्यों ने एनसीईआरटी, एसीआईआरटी, राजस्थान एवं 4 निजी प्रकाशकों की पाठ्यपुस्तकों के विश्लेषण पर एक छोटा अध्ययन किया है। इसमें विज्ञान और समाज विज्ञान की कक्षा 6, 7 और 8 के चुनिन्दा अध्यायों का एनसीईआरटी और एनसीएफ 2005 के दिशा-निर्देशों के आधार पर विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन की रिपोर्ट तैयार कर इसे वॉटिस पार्टनर्स फोरम में प्रस्तुत किया गया।

8. **एक सप्ताह की कार्यशालाएंः** इस साल की योजना में कम से कम दो-तीन अनुशासनों पर एक सप्ताह की कार्यशालाओं का विकास करने का लक्ष्य रखा गया था। इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हो पाई है। इसकी वजह तरू सदस्यों का अन्य गतिविधियों में व्यस्त होना रही है।

## अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन के साथ कार्य

तरू के प्रोजेक्ट प्रपोजल में अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन की चल रही गतिविधियों में मदद करना एक मुख्य हिस्सा रहा है। साल 2014-15 अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन के साथ किए गए कार्यों का विवरण इस प्रकार हैः

1. **को-डवलपमेंटः** अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन, अजीम प्रेमजी यूनीवर्सिटी संदर्भ केन्द्र के सदस्यों के साथ तरू सदस्यों ने सामग्री विकास, स्कूल शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने और उपरोक्त संगठन के सदस्यों की अपने-अपने अनुशासनों में क्षमतावर्धन के लिए विभिन्न अनुशासनों में अलग-अलग समूह बनाए गए हैं। तरू सदस्यों ने जैव विज्ञान और इतिहास के समूहों के लिए होने वाली सामग्री विकास और मॉड्यूल विकसित करने के लिए कार्यशालाओं और इनकी फील्ड जांच के लिए किए जाने वाले शिक्षक प्रशिक्षणों में भागीदारी की है।

2. **रिसर्च समूहः** तरू सदस्यों और अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन के सदस्यों ने राजस्थान में शिक्षा की स्थिति को समझने के लिए एक शैक्षिक शोध समूह निर्मित किया है। इस समूह ने द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर राजस्थान में आरंभिक शिक्षा की स्थिति पर शोध करने की योजना बनाई। अनेक खण्डों और उप-खण्डों वाले इस शोध में प्रगति हुई है। इस साल में समूह ने परिचय, शिक्षा के अधिकार कानून की क्रियान्विति और अध्यापक शिक्षा पर प्रारूप तैयार किए हैं। कार्य प्रगति पर है और यह अध्ययन अगले साल भी जारी रहेगा।

3. **शिक्षा का परिप्रेक्ष्यः** अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन ने अपने फील्ड संस्थानों के सदस्यों के लिए शिक्षा के परिप्रेक्ष्य पर एक परिचयात्मक कोर्स विकसित करने में तरू सदस्यों की मदद मांगी थी। तरू सदस्यों ने इस जरूरत के मुताबिक इस कार्यक्रम के लिए कोर्स बनाने, सामग्री विकसित करने और इसकी कार्यशालाओं में सहभागिता निभाई है। इस कार्यक्रम में हर दूसरे महीने कार्यशालाएं होती हैं। तरू सदस्य कार्यशालाओं और इनके लिए सामग्री विकास में मदद करता रहा है। यह कार्यक्रम अगले सालों में भी जारी रहेगा।

4. **राजस्थान अध्यापक शिक्षा शिक्षक कार्यक्रमः** तरू अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन के द्वारा विकसित किए जा रहे अध्यापक शिक्षा शिक्षक कार्यक्रम को विकसित करने में सहयोग करता रहा है। यह कार्यक्रम अभी विकसित होने की प्रक्रिया में है और तरू सदस्य इसमें नियमित तौर जरूरी नोट्स और दस्तावेज तैयार करने में मदद करते रहे हैं। इस कार्यक्रम में आगे भी कार्यक्रम विकसित करने और कार्यक्रम की विषयवस्तु विकसित करने के लिए गंभीर रूप से काम करने की आवश्यकता है।

# रिसोर्स सपोर्ट यूनिट

*लेखा विभाग द्वारा आय-व्यय का हिसाब रखना, कार्मिकों का रिकॉर्ड रखना, पत्र व्यवहारों को व्यवस्थित रखना, आयकर संबंधित कार्य और प्रत्येक वर्ष संस्था का अंकेक्षण करवाना आदि कार्य किए गए हैं।*

*पुस्तकालय में पुस्तकों का लेन-देन, पुस्तकों की खरीद और इन्द्राज तथा समय-समय पर भौतिक सत्यापन किया गया है।*

दिगन्तर के सभी कार्यक्रम सुचारू रूप से चल पाएं इसके पीछे रिसोर्स सपोर्ट यूनिट का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इस यूनिट की जिम्मेदारी दिगन्तर पुस्तकालय का संचालन, हर कार्यक्रम वित्तीय आय-व्यय का ब्यौरा के लिए लेखा विभाग, विभिन्न कार्यक्रमों और स्कूल के लिए सामान की खरीद-फरोखत और जरूरत के अनुसार सभी कार्यक्रमों को आवश्यक सामग्री पहुंचाने के लिए स्टोर, दिगन्तर में आयोजित होने वाली कार्यशालाओं, प्रशिक्षणों और संस्था के कार्यों को देखने-समझने के लिए आने वाले अतिथियों के लिए भोजन व्यवस्था के लिए मेस, दिगन्तर परिसर की साफ-सफाई, पेड़-पौधों की देखभाल के लिए बागवानी और सुरक्षा के लिए चौकीदार अपना कार्य करते रहते हैं। संस्था के सुगम संचालन में अनेक बार इस तरह के कार्यों की महत्ता की अनदेखी रह जाती है। लेकिन दिगन्तर सपोर्ट यूनिट के सभी सदस्यों के काम को तवज्जो प्रदान करता है और उनके महत्व को पहचानता है।

साल 2014-15 में इस इकाई के सभी हिस्सों ने अपने काम को किया है। पुस्तकालय में पुस्तकों के लेन-देन, नई किताबों की खरीद और उन्हें रिकॉर्ड में इन्द्राज करने, पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों का समय-समय पर भौतिक सत्यापन किया गया है। इसके अलावा अन्य कार्यक्रमों के लिए पुस्तक खरीद की प्रक्रिया को पूरा करने का काम भी किया गया है।

लेखा विभाग संस्था में चल रही 4 परियोजनाओं से जुड़े आय-व्यय के ब्यौरे रखने, कार्मिकों की व्यक्तिगत फाइलों को रखने, संस्था के आने-जाने वाले पत्रों आदि को फाइलों में व्यवस्थित करने तथा नियमानुसार कार्मिकों की आयकर की गणना करके जमा कराने तथा त्रैमासिक रिटर्न जमा कराने के काम लेखा विभाग द्वारा नियमित तौर पर किए गए हैं। साथ ही मासिक भविष्य निधि का अंशदान जमा करने, सभी कार्मिकों को मासिक वेतन समय पर मिलता रहे उसके लिए वेतन तैयार कर बैंक में जमा कराने, सभी परियोजनाओं का अंकेक्षण करवाने का काम भी लेखा विभाग की जिम्मेदारी रही है। शिक्षा विमर्श के व्ययों के बिलों को फोटो कॉपी करवाकर अजीम

प्रेमजी फाउण्डेशन को पुनर्भुगतान के लिए भेजने का काम किया गया। इसी प्रकार तरू कार्यक्रम के यात्रा व्ययों का पुनर्भुगतान के लिए भेजने का कार्य किया गया।

स्टोर के माध्यम से संस्था के सभी स्थायी और अस्थायी सामान का विवरण रखा जाता है। साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों की जरूरत के हिसाब से सामान की खरीद-फरोख्त और वितरण किया गया।

मैस में संस्था में विद्यालय अवलोकन करने आने वाले समूहों, कार्यशाला में आने वाले सहभागियों एवं अतिथियों के लिए भोजन व्यवस्था का कार्य किया गया है। साल 2014-15 में करीब 200 अतिथि संस्था में विभिन्न कार्यों से आए हैं। इनकी भोजनादि की व्यवस्था मैस द्वारा की गई। इसके साथ ही तरू द्वारा आयोजित कार्यशालाओं और अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठकों आदि के लिए भी नियमित तौर पर भोजन व्यवस्था मैस के द्वारा की गई।

*मैस में संस्था में विद्यालय अवलोकन करने आने वाले समूहों, कार्यशाला में आने वाले सहभागियों एवं अतिथियों के लिए भोजन व्यवस्था का कार्य किया गया है। साल 2014-15 में करीब 200 अतिथियों, तरू द्वारा आयोजित कार्यशालाओं और अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठकों आदि के लिए भी भोजन व्यवस्था की गई।*

यह इकाई इस साल में वित्तीय सहायता के अभाव से जूझती रही है। इसके लिए कहीं से वित्तीय सहायता का प्रावधान नहीं रहा है। संस्था ने अपने स्तर पर वित्तीय सहायता की व्यवस्था की है।

## संस्था के सम्मुख चुनौतियां

दिगन्तर के दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम वित्तीय सहायता के अभाव से जूझते रहे हैं। इनमें से एक दिगन्तर विद्यालय और दूसरा रिसोर्स सपोर्ट यूनिट है। वित्तीय सहायता के अभाव में कई कार्यभार मौजूद सदस्यों को ही करने होते हैं जैसे कि स्वागत कक्ष के लिए किसी व्यक्ति के नहीं होने के कारण रिसोर्स सपोर्ट यूनिट के सदस्य बदल-बदल कर इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं।

## परिशिष्ट

दिगन्तर की वित्तीय वर्ष 2014-15 की आय-व्यय का विवरण संलग्न है।

## DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHELKUD SAMITI, JAIPUR
## BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2015

| LIABILITIES | | Amount |
|---|---|---|
| **GENERAL FUND** | | |
| Opening Balance as on 1.4.2014 | 29,297,224 | |
| Less: interest on FCRA | (68,093) | |
| Add: Surplus transfer from I & E A/c | 9,305,510 | 38,534,641 |
| **UNSPENT GRANT** | | |
| PHF Programame | 1,348,413 | |
| APF TARU Programme | 1,018,233 | |
| ASED | 423,295 | |
| Wipro TEP Programme | 1,129,547 | 3,919,488 |
| **LOANS & ADVANCES** | | |
| **Unsecured loan** | | |
| M/s Registhan Pvt. Ltd. (non int. bearing) | 370,000 | |
| Others | 400,000 | 770,000 |
| **Current Liabilities** | | |
| Creditors for Staff | | 1,509,787 |
| Creditors for exp. | | 539,746 |
| PF Payable (since paid) | | 38,546 |
| TDS Payable (since paid) | | 72,726 |
| | | 45,384,935 |

| ASSETS | | Amount |
|---|---|---|
| **FIXED ASSETS (As per Schedule A)** | | |
| W.D.V. As on 1.4.2014 | 22,877,148 | |
| Add: Addition during the year | 8,209,526 | |
| | 31,086,674 | |
| Less: Disposed off during the year | 0 | |
| WDV as on 31.03.2015 | 31,086,674 | |
| Less: Depreciation | 1,248,638 | 29,838,036 |
| **CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES** | | |
| **CURRENT ASSETS** | | |
| **CASH IN HAND** | | |
| Core Programme | 21,300 | |
| TEP Programme | 17,821 | 39,121 |
| **CASH AT BANK (Scheduled Bank)** | | |
| Core Programme | 5,172,730 | |
| TEP Programme | 1,017,350 | 6,190,080 |
| TDS Receivable | | 5,323,180 |
| Sundry Debtors | | 1,961,536 |
| Closing Stock of Books (certified by management) | | 265,080 |
| **OUTSTANDING GRANT** | | |
| Azim Premji University(Taru) | | 1,295,902 |
| Azim Premji Foundation(Vimarsh) | | 463,239 |
| Telephone Security | | 8,761 |
| | | 45,384,935 |

**Auditor's Report**

Significant Accounting Policies (As per Schedule 'B')

FOR S.D. PANDEY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
FRM NO. 002669C

(RAJIV PANDEY)
PARTNER
M. NO. 71731

S. D. PANDEY AUDITED JAIPUR

PLACE: JAIPUR
DATED: 13.07.2015

| A | |
|---|---|
| C | |

FOR DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHELKUD SAMITI

TREASURER
SECRETARY
PRESIDENT

**DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHELKUD SAMITI, JAIPUR**

**INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2015**

| | INCOME | | Core Proramme | TEP Phagi | TOTAL |
|---|---|---|---|---|---|
| By | Grant in aid from APF(DVP) | 6,000,000 | | | |
| | Add : Unspent as per last year | 2,110,869 | 8,110,869 | | 8,110,869 |
| | Grant in Aid APF (TARU) (Including grant of Rs. 1300953 which is received in next year i.e. 09.04.2015 on which TDS has been deducted in current year) | 6,336,243 | | | |
| | Less : Unspent Grant | 1,018,233 | 5,318,010 | | 5,318,010 |
| | Grant in aid from ICICI Foundation(TRSU) | | | | |
| | Opening Balance | 1,047,981 | | | |
| | Less : Unspent Grant | - | 1,047,981 | | 1,047,981 |
| | Grant In Aid APF(VIMARSH) | | | | |
| | Received during the year | 2,740,069 | | | |
| | Add: Outstanding grant for the year | - | 2,740,069 | | 2,740,069 |
| | Grant In Aid ASED | | | | |
| | Received During The Year | 8,825,028 | | | |
| | Add : Unspent as per last year | 832,460 | | | |
| | | 9,657,488 | | | |
| | Less : Unspent Grant | 423,295 | 9,234,193 | | 9,234,193 |
| | Grant In Aid Wipro Ltd | 2,496,710 | | | |
| | Add : Unspent as per last year | 720,647 | | | |
| | | 3,217,357 | | | |
| | Less : Unspent Grant | 1,129,547 | | 2,087,810 | 2,087,810 |
| | Bank Interest | | 850,231 | 49,322 | 899,553 |
| | Interest on FDR (Dig. Vid.) | | 5,226 | | 5,226 |
| | Teaching Material Disposal | | 113,751 | | 113,751 |
| | Hostel Rent | | 66,000 | | 66,000 |
| | Donation | | 113,785 | | 113,785 |
| | Institutional Fee | | 575,667 | | 575,667 |
| | Library Missing Book | | 2,708 | 200 | 2,908 |
| | Boarding, Lodging & Training Charge | | 976,958 | | 976,958 |
| | Closing Stock of books | | 265,080 | | 265,080 |
| | Other Income | | 743,395 | | 743,395 |
| | Subscription From Members | | 119,802 | | 119,802 |
| | **Total** | | **30,283,725** | **2,137,332** | **32,421,057** |

CONTD.

A

C

S.D. PANDEY & CO.
AUDITED
JAIPUR

## DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHELKUD SAMITI, JAIPUR

### INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2015

| | EXPENDITURE | Core Proramme | TEP | TOTAL |
|---|---|---|---|---|
| To | Salaries | 16,342,131 | 1,341,833 | 17,683,964 |
| | Honorarium | 9,000 | | 9,000 |
| | Staff Selection & Team Building | 25,730 | | 25,730 |
| | Postage & Telegram Exp. | 323,266 | 23,138 | 346,404 |
| | Legal/Consultancy fee | 58,600 | 237,600 | 296,200 |
| | Electricity Exp. | 447,517 | 10,168 | 457,685 |
| | Audit Fees | 58,989 | 39,326 | 98,315 |
| | Material & Activity exp. | 42,653 | | 42,653 |
| | News Paper & Magazines | 63,196 | 28,669 | 91,865 |
| | Printing & publication | 847,803 | | 847,803 |
| | Repair & Maintenance | 238,376 | 28,134 | 266,510 |
| | Training/Meeting And Work Shop | - | 147,403 | 147,403 |
| | Stationery Exp.. | 69,974 | 5,907 | 75,881 |
| | Travel & Local conveyance | 86,322 | 37,547 | 123,869 |
| | School Vehicle Maint. | 58,844 | | 58,844 |
| | Children Transportation Expenses | 423,612 | | 423,612 |
| | Books & Teaching Learning material | 95,710 | | 95,710 |
| | Boarding & Lodging Exp. | 201,471 | | 201,471 |
| | Bank Charges | 4,853 | | 4,853 |
| | Depreciation | 1,232,993 | 15,645 | 1,248,638 |
| | Office Maint. Exp. | 40,137 | 101,873 | 142,010 |
| | Other School Activity | 167,977 | | 167,977 |
| | Other Misc Exp. | 29,518 | | 29,518 |
| | Foundation Course Exp. | 144,810 | | 144,810 |
| | Campus Pet Exp. | 18,909 | | 18,909 |
| | Vidyalay Pet Exp. | 17,275 | | 17,275 |
| | E.C./G.B. Meeting Exp. | 2,422 | | 2,422 |
| | Institutional Cost /Contingancy | - | 46,216 | 46,216 |
| | Transfer to Balance Sheet | 9,231,637 | 73,873 | 9,305,510 |
| | | **30,283,725** | **2,137,332** | **32,421,057** |

**AUDITORS REPORT**

SIGNED IN TERMS OF OUR REPORT OF EVEN DATE ANNEXED

**FOR S.D. PANDEY & CO.**
**CHARTERED ACCOUNTANTS**
**FRM NO. 002669C**

S.D. PANDEY & CO. AUDITED JAIPUR

**(RAJIV PANDEY)**
**PARTNER**
**M. No. 71731**

**PLACE: JAIPUR**
**DATED: 13.07.2015**

FOR DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHELKUD SAMITI

For Digantar Shiksha Evam Khelkud Samit

TREASURER
Treasurer

SECRETARY
Secretary

PRESIDENT
President

A
C

## DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHEL KUD SAMITI, JAIPUR

**Schedules annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 31.3.2015**

**SCHEDULE A: FIXED ASSETS**

| | particulars | W. D. V. as On 1.4.14 | Addition Before | Addition After | Sales / Dispos | Total As on 31.3.15 | Dep. Rate | Dep. For the year | W.D.V. as On 31.3.15 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | **H. O. Assets** | | | | | | | | |
| | Land | 90,060 | - | - | | 90,060 | Nil | | 90,060 |
| | Building Hospital | 67,462 | - | - | | 67,462 | 3 | 1,687 | 65,775 |
| | Coolars & Fans | 112,497 | - | - | | 112,497 | 10 | 11,250 | 101,247 |
| | Cycle | 560 | - | - | | 560 | 10 | 56 | 504 |
| | EERC Building | 1,015,117 | - | - | | 1,015,117 | 3 | 25,378 | 989,739 |
| | Fan at EERC | 3,109 | - | - | | 3,109 | 10 | 311 | 2,798 |
| | Fan at Hospital | 310 | - | - | | 310 | 10 | 31 | 279 |
| | Furniture & Bedding | 86,818 | - | - | | 86,818 | 10 | 8,682 | 78,136 |
| | Hand pump | 3,559 | - | - | | 3,559 | 10 | 356 | 3,203 |
| | Hospital Equipment | 17,786 | - | - | | 17,786 | Nil | | 17,786 |
| | Mess Equipment | 41,256 | - | - | | 41,256 | 10 | 4,126 | 37,130 |
| | Office Equipment | 3,794 | - | - | | 3,794 | 10 | 379 | 3,415 |
| | P.C. Printer | 18,184 | - | - | | 18,184 | 10 | 1,818 | 16,366 |
| | Photo Copier | 8,114 | - | - | | 8,114 | 10 | 811 | 7,303 |
| | Refrigerator | 1,236 | - | - | | 1,236 | 10 | 124 | 1,112 |
| | TV. V.C.R. | 4,342 | - | - | | 4,342 | 10 | 434 | 3,908 |
| | Type writer | 248 | - | - | | 248 | 10 | 25 | 223 |
| | Electric equipment | 64,681 | - | - | | 64,681 | 10 | 6,468 | 58,213 |
| | Fire Fighting equipment | 5,171 | - | - | | 5,171 | 10 | 517 | 4,654 |
| | Building | 286,327 | - | - | | 286,327 | 3 | 7,158 | 279,169 |
| | Tube Well | 47,035 | - | - | | 47,035 | Nil | - | 47,035 |
| | School Land | 1,616,996 | - | - | | 1,616,996 | Nil | - | 1,616,996 |
| | Solar Hot Water System | 39,055 | - | - | | 39,055 | 10 | 3,906 | 35,149 |
| 2 | **School Assets** | | | | | | | | |
| | Fans | 8,034 | - | - | | 8,034 | 10 | 803 | 7,231 |
| | Furniture & Off. Equip. | 53,070 | - | - | | 53,070 | 10 | 5,307 | 47,763 |
| | Science laboratory | 2,353 | - | - | | 2,353 | 10 | 235 | 2,118 |
| | Tape Recorder | 639 | - | - | | 639 | 10 | 64 | 575 |
| 3 | **Shaj Shiksha Project** | | | | | | | | |
| | Furniture | 4,339 | - | - | | 4,339 | 10 | 434 | 3,905 |
| | Computer & printer | 17,757 | - | - | | 17,757 | 10 | 1,776 | 15,981 |
| 4 | **SIR RATAN TATA PROJECT** | | | | | | | | |
| | Office Furniture | 1,599 | - | - | | 1,599 | 10 | 160 | 1,439 |
| | Hand Pump | 5,536 | - | - | | 5,536 | 10 | 554 | 4,982 |
| | Building | 64,292 | - | - | | 64,292 | 3 | 1,607 | 62,685 |
| 5 | **Room to Read Prog.** | | | | | | | | |
| | Office Furniture | 6,675 | - | - | | 6,675 | 10 | 668 | 6,007 |
| 6 | **ICICI CORE PROGRAMME** | | | | | | | | |
| | **AEEP Primary** | | | | | | | | |
| | Building Aug. Primary | 343,969 | - | - | | 343,969 | 3 | 8,599 | 335,370 |
| | Furniture & School equ. Primary | 153,217 | - | - | | 153,217 | 10 | 15,322 | 137,895 |
| | Building | 2,073,892 | - | - | | 2,073,892 | 3 | 51,847 | 2,022,045 |
| | Library Books Primary | 37,481 | - | - | | 37,481 | 10 | 3,748 | 33,733 |
| | Laboratory | 14,640 | - | - | | 14,640 | 10 | 1,464 | 13,176 |
| | **AEEP UP** | | | | | | | | |
| | Library Aeep Up | 29,787 | - | - | | 29,787 | 10 | 2,979 | 26,808 |
| | Furniture & School equ. | 48,004 | - | - | | 48,004 | 10 | 4,800 | 43,204 |
| | **TRSU** | | | | | | | | |
| | Computer S&AU | 220,707 | - | - | | 220,707 | 10 | 22,071 | 198,636 |
| | Furniture S&AU | 131,474 | - | - | | 131,474 | 10 | 13,147 | 118,327 |
| | Office Aug. S&AU | 186,305 | - | - | | 186,305 | 10 | 18,631 | 167,674 |
| | Printer With copier S& AU | 10,236 | - | - | | 10,236 | 10 | 1,024 | 9,212 |
| | Telepphone,EPBX, FAX & AU | 75,626 | - | - | | 75,626 | 10 | 7,563 | 68,063 |
| | Cell Phone Instrument | 3,405 | - | - | | 3,405 | 10 | 340 | 3,065 |

A
C

S. D. PANDEY & CO.
AUDITED
JAIPUR

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | **TARU** | | | | | | | | |
| | Equipment Taru | 488,134 | | 67,819 | | 555,953 | 10 | 52,204 | 503,749 |
| | Library Taru | 422,228 | 7,237 | 44,024 | | 473,489 | 10 | 45,147 | 428,342 |
| | Furniture Taru | 198,781 | - | 59,863 | | 258,644 | 10 | 22,871 | 235,773 |
| | Computer Taru | 93,034 | - | - | | 93,034 | 10 | 9,303 | 83,731 |
| | Infrastructure & Building Taru | 142,330 | - | - | | 142,330 | 10 | 14,233 | 128,097 |
| | **Vimarash** | | | | | | | | |
| | Furniture Vimarsh | 3,313 | - | - | | 3,313 | 10 | 331 | 2,982 |
| | Computer & Accessories Vimarsh | 182,332 | 56,000 | - | | 238,332 | 10 | 23,833 | 214,499 |
| 7 | **Digantar CPG Prog.** | - | | | | | | | |
| | Equipment | 56,451 | - | - | | 56,451 | 10 | 5,645 | 50,806 |
| 8 | **Shiksha Samarthan** | | | | | | | | |
| | Furniture & Equipment(Cluster) | 178,405 | - | - | | 178,405 | 10 | 17,841 | 160,564 |
| | Furniture & Equipment(Office) | 176,568 | - | - | | 176,568 | 10 | 17,657 | 158,911 |
| | Teaches Resource Liabary(CRC) | 36,905 | - | - | | 36,905 | 10 | 3,691 | 33,214 |
| | Teaches Resource Liabary(Office) | 53,302 | - | - | | 53,302 | 10 | 5,330 | 47,972 |
| 9 | **Digantar Baran Prog.** | | | | | | | | |
| | Inf. Supp. To DITE/BRC | 220,806 | - | - | | 220,806 | 10 | 22,081 | 198,725 |
| | Computer | 115,841 | - | - | | 115,841 | 10 | 11,584 | 104,257 |
| | Inf. Of RSA office | 49,244 | - | - | | 49,244 | 10 | 4,925 | 44,319 |
| | Inverter | 10,051 | - | - | | 10,051 | 10 | 1,005 | 9,046 |
| | Lib. For QIU | 55,816 | - | - | | 55,816 | 10 | 5,582 | 50,234 |
| | Cluster level Lib. Supp. | 26,693 | - | - | | 26,693 | 10 | 2,669 | 24,024 |
| 10 | **Digantar SDTT Prog.** | | | | | | | | |
| | Teachers Resource Lib.(Blo. Off) | 59,753 | - | - | | 59,753 | 10 | 5,975 | 53,778 |
| | Teachers Resource Lib.(Pro.Off) | 39,845 | - | - | | 39,845 | 10 | 3,985 | 35,860 |
| | Computer (B.O.) | 15,776 | - | - | | 15,776 | 10 | 1,578 | 14,198 |
| | Computer (Pro. Off.) | 48,215 | - | - | | 48,215 | 10 | 4,821 | 43,394 |
| | Equipment for B.O. | 86,994 | - | - | | 86,994 | 10 | 8,699 | 78,295 |
| | Equipment for Pro.Off. | 77,269 | - | - | | 77,269 | 10 | 7,727 | 69,542 |
| | Equipment for R.S. | 80,728 | - | - | | 80,728 | 10 | 8,073 | 72,655 |
| 11 | **Digantar Literacy Research Prog.** | - | | | | | | | |
| | Epbx(Res. Proj) | 9,669 | - | - | | 9,669 | 10 | 967 | 8,702 |
| | Equipment (Res. Proj) | 159,932 | - | - | | 159,932 | 10 | 15,993 | 143,939 |
| 12 | **Digantar Vidyalay Programme** | | | | | | | | |
| | Lease Of Land | 236,055 | 603,504 | - | | 839,559 | - | | 839,559 |
| | Construction | 4,745,911 | - | - | | 4,745,911 | 3 | 118,648 | 4,627,263 |
| | Modification of Existing Building | 946,246 | - | - | | 946,246 | 3 | 23,656 | 922,590 |
| | Boundary Wall Sports Mat. | 1,635,127 | - | - | | 1,635,127 | 3 | 40,878 | 1,594,249 |
| | Computers & Printers | 647,761 | - | - | | 647,761 | 10 | 64,776 | 582,985 |
| | Furniture | 182,916 | - | - | | 182,916 | 10 | 18,292 | 164,624 |
| | Laboratory | 92,173 | - | - | | 92,173 | 10 | 9,217 | 82,956 |
| | School Equipment | 325,790 | - | - | | 325,790 | 10 | 32,579 | 293,211 |
| | Library Books | 74,331 | - | - | | 74,331 | 10 | 7,433 | 66,898 |
| | Art & Musical Instriuments | 142,456 | - | - | | 142,456 | 10 | 14,246 | 128,210 |
| | Four Wheel Vehicle(Bolaro) | 585,607 | - | - | | 585,607 | 10 | 58,561 | 527,046 |
| | Service fess for Aechitech | 48,750 | - | - | | 48,750 | 3 | 1,219 | 47,531 |
| | JDA Approval & Regu. | 7,312 | - | - | | 7,312 | 3 | 183 | 7,129 |
| 13 | **Digantar PHF Programme** | | | | | | | | |
| | Laptops & Computers | 83,474 | - | - | | 83,474 | 10 | 8,347 | 75,127 |
| 14 | **ASED Programme** | | | | | | | | |
| | School Bus | 2,375,000 | - | - | | 2,375,000 | 10 | 237,500 | 2,137,500 |
| | Building(Toilet construction) | 418,765 | 789,052 | 287,633 | | 1,495,450 | 3 | 18,693 | 1,476,757 |
| | Water Treatment Plan & Cooler | 82,500 | 101,052 | - | | 183,552 | 10 | 18,355 | 165,197 |
| | Activities Centre Building (WIP) | - | 1,931,529 | 4,221,818 | - | 6,153,347 | 10 | - | 6,153,347 |
| 15 | **TEP Phagi** | | | | | | | | |
| | Equipment | 131,805 | 9,300 | 30,695 | | 171,800 | 10 | 15,645 | 156,155 |
| | | **22,877,148** | **3,497,674** | **4,711,852** | - | **31,086,674** | | **1,248,638** | **29,838,036** |

**FOR S.D. PANDEY & CO.**
**CHARTERED ACCOUNTANTS**
**FRM NO. 02669C**

(RAJIV PANDEY)
**PARTNER**
**M. No.71731**
**PLACE: JAIPUR**
**DATED: 13.07.2015**

S.D. PANDEY & CO. AUDITED JAIPUR

**FOR DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHELKUD SAMITI**

TREASURER Treasurer

PRESIDENT President

SECRETARY Secretary

A

C

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | **TARU** | | | | | | | |
| | Equipment Taru | 488,134 | | 67,819 | | 555,953 | 10 | 52,204 | 503,749 |
| | Library Taru | 422,228 | 7,237 | 44,024 | | 473,489 | 10 | 45,147 | 428,342 |
| | Furniture Taru | 198,781 | - | 59,863 | | 258,644 | 10 | 22,871 | 235,773 |
| | Computer Taru | 93,034 | - | - | | 93,034 | 10 | 9,303 | 83,731 |
| | Infrastructure & Building Taru | 142,330 | - | - | | 142,330 | 10 | 14,233 | 128,097 |
| | **Vimarash** | | | | | | | | |
| | Furniture Vimarsh | 3,313 | - | - | | 3,313 | 10 | 331 | 2,982 |
| | Computer & Accessories Vimarsh | 182,332 | 56,000 | - | | 238,332 | 10 | 23,833 | 214,499 |
| 7 | **Digantar CPG Prog.** | - | | | | | | | |
| | Equipment | 56,451 | - | - | | 56,451 | 10 | 5,645 | 50,806 |
| 8 | **Shiksha Samarthan** | | | | | | | | |
| | Furniture & Equipment(Cluster) | 178,405 | - | - | | 178,405 | 10 | 17,841 | 160,564 |
| | Furniture & Equipment(Office) | 176,568 | - | - | | 176,568 | 10 | 17,657 | 158,911 |
| | Teaches Resource Liabary(CRC) | 36,905 | - | - | | 36,905 | 10 | 3,691 | 33,214 |
| | Teaches Resource Liabary(Office) | 53,302 | - | - | | 53,302 | 10 | 5,330 | 47,972 |
| 9 | **Digantar Baran Prog.** | | | | | | | | |
| | Inf. Supp. To DITE/BRC | 220,806 | - | - | | 220,806 | 10 | 22,081 | 198,725 |
| | Computer | 115,841 | - | - | | 115,841 | 10 | 11,584 | 104,257 |
| | Inf. Of RSA office | 49,244 | - | - | | 49,244 | 10 | 4,925 | 44,319 |
| | Inverter | 10,051 | - | - | | 10,051 | 10 | 1,005 | 9,046 |
| | Lib. For QIU | 55,816 | - | - | | 55,816 | 10 | 5,582 | 50,234 |
| | Cluster level Lib. Supp. | 26,693 | - | - | | 26,693 | 10 | 2,669 | 24,024 |
| 10 | **Digantar SDTT Prog.** | | | | | | | | |
| | Teachers Resource Lib.(Blo. Off) | 59,753 | - | - | | 59,753 | 10 | 5,975 | 53,778 |
| | Teachers Resource Lib.(Pro.Off) | 39,845 | - | - | | 39,845 | 10 | 3,985 | 35,860 |
| | Computer (B.O.) | 15,776 | - | - | | 15,776 | 10 | 1,578 | 14,198 |
| | Computer (Pro. Off.) | 48,215 | - | - | | 48,215 | 10 | 4,821 | 43,394 |
| | Equipment for B.O. | 86,994 | - | - | | 86,994 | 10 | 8,699 | 78,295 |
| | Equipment for Pro.Off. | 77,269 | - | - | | 77,269 | 10 | 7,727 | 69,542 |
| | Equipment for R.S. | 80,728 | - | - | | 80,728 | 10 | 8,073 | 72,655 |
| 11 | **Digantar Literacy Research Prog.** | - | | | | | | | |
| | Epbx(Res. Proj) | 9,669 | - | - | | 9,669 | 10 | 967 | 8,702 |
| | Equipment (Res. Proj) | 159,932 | - | - | | 159,932 | 10 | 15,993 | 143,939 |
| 12 | **Digantar Vidyalay Programme** | | | | | | | | |
| | Lease Of Land | 236,055 | 603,504 | - | | 839,559 | - | | 839,559 |
| | Construction | 4,745,911 | - | - | | 4,745,911 | 3 | 118,648 | 4,627,263 |
| | Modification of Existing Building | 946,246 | - | - | | 946,246 | 3 | 23,656 | 922,590 |
| | Boundary Wall Sports Mat. | 1,635,127 | - | - | | 1,635,127 | 3 | 40,878 | 1,594,249 |
| | Computers & Printers | 647,761 | - | - | | 647,761 | 10 | 64,776 | 582,985 |
| | Furniture | 182,916 | - | - | | 182,916 | 10 | 18,292 | 164,624 |
| | Laboratory | 92,173 | - | - | | 92,173 | 10 | 9,217 | 82,956 |
| | School Equipment | 325,790 | - | - | | 325,790 | 10 | 32,579 | 293,211 |
| | Library Books | 74,331 | - | - | | 74,331 | 10 | 7,433 | 66,898 |
| | Art & Musical Instriuments | 142,456 | - | - | | 142,456 | 10 | 14,246 | 128,210 |
| | Four Wheel Vehicle(Bolaro) | 585,607 | - | - | | 585,607 | 10 | 58,561 | 527,046 |
| | Service fess for Aechitech | 48,750 | - | - | | 48,750 | 3 | 1,219 | 47,531 |
| | JDA Approval & Regu. | 7,312 | - | - | | 7,312 | 3 | 183 | 7,129 |
| 13 | **Digantar PHF Programme** | | | | | | | | |
| | Laptops & Computers | 83,474 | - | - | | 83,474 | 10 | 8,347 | 75,127 |
| 14 | **ASED Programme** | | | | | | | | |
| | School Bus | 2,375,000 | - | - | | 2,375,000 | 10 | 237,500 | 2,137,500 |
| | Building(Toilet construction) | 418,765 | 789,052 | 287,633 | | 1,495,450 | 3 | 18,693 | 1,476,757 |
| | Water Treatment Plan & Cooler | 82,500 | 101,052 | - | | 183,552 | 10 | 18,355 | 165,197 |
| | Activities Centre Building (WIP) | - | 1,931,529 | 4,221,818 | - | 6,153,347 | 10 | - | 6,153,347 |
| 15 | **TEP Phagi** | | | | | | | | |
| | Equipment | 131,805 | 9,300 | 30,695 | | 171,800 | 10 | 15,645 | 156,155 |
| | | 22,877,148 | 3,497,674 | 4,711,852 | - | 31,086,674 | | 1,248,638 | 29,838,036 |

FOR S.D. PANDEY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
FRM NO. 02669C

(RAJIV PANDEY)
PARTNER
M. No.71731
PLACE: JAIPUR
DATED: 13.07.2015

FOR DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHELKUD SAMITI

TREASURER PRESIDENT SECRETARY

## दिगन्तर

शिक्षा एवं खेलकूद समिति

टोडी रमजानीपुरा, खो नागोरियान रोड

जगतपुरा, जयपुर-302017 राजस्थान

फोन : 0141–2750230, 2750310; फैक्स : 2751268

वेबसाइट : www.digantar.org